हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 20 मार्च 2025 | अंक 156/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

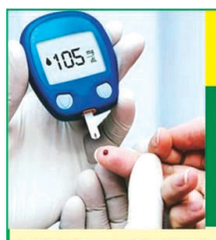

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या डायबिटीज से परेशान ही ?
डायबेटीज चेकअप करके
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक
द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम | महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

नागपुर हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम गिरफ्तार

कल तक पुलिस हिरासत में

नागपुर.

महाराष्ट्र के नागपुर में हुई हिंसा के मामले में मास्टरमाइंड माने जा रहे फहीम शमीम खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. वो 21 मार्च तक पुलिस की हिरासत में है. फहीम खान माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) का शहर अध्यक्ष है. केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी के सामने नागपुर से लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव भी लड़ चुका है. दोनों ही चुनावों में उसकी जमानत जप्त हुई थी. पुलिस की एफआईआर में फहीम का नाम आरोपियों की सूची में अन्य लोगों के नाम के अंतर्गत ही है. आरोप है कि उसने शुरुआत में पुलिस स्टेशन में पहुंचकर बजरंग दल के खिलाफ शिकायत की थी और लोगों को भड़काया था.

नागपुर पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंघल ने फहीम खान को लेकर कहा कि हिंसा में कुछ लोगों का कोई रोल है या फिर इन्होंने लोगों को उकसाया है, इस बारे में जांच की जा रही है. हम लोग जांच कर रहे हैं. इस मामले में कोई एक व्यक्ति था या कोई ऑर्गेनाइजेशन था, हमारी इसपर जांच चल रही है. हम सारे एंगल पर जांच कर रहे हैं. उन्होंने कहा, ''एफआईआर में अभी जो भी आरोपी के नाम हैं, वो सब नागपुर के हैं. कुछ एंगल है जो हमें नजर आया है कि कुछ लोग बाहर से आए थे. कुछ लोग नागपुर सिटी से भी आए थे.''

औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर महाराष्ट्र में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल ने सोमवार (17 मार्च) को प्रदर्शन किया था. इसी दौरान नागपुर में अफवाह फैली की धार्मिक चिह्न वाले चादर को जलाया गया. इसी को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ और ये हिंसा का रूप ले लिया. कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया. हिंसा में कई पुलिसकर्मी और आम लोग जख्मी हो गए. हिंसा के मामले में पुलिस ने तीन थानों में अब तक 6 एफआईआर दर्ज की है और 51 लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने 1250 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिसमें से 100 से 200 लोगों की अब तक पहचान हुई है. सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट वायरल करने वाले लोगों की भी नागपुर पुलिस की साइबर यूनिट जांच रही रही है.

100 से 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की भी जांच चल रही है. फडणवीस ने कहा, "नागपुर एक शांतिप्रिय शहर है। यहां तक कि जब 1992 में सांप्रदायिक तनाव भड़क उठा, तब भी शहर शांतिपूर्ण था। हालाँकि, इस बार कुछ उपद्रवियों ने जानबूझकर हिंसा भड़काने की कोशिश की। इस मामले की पूरी जांच चल रही है। जिस कपडे को लेकर यह विवाद हुआ, उस पर पवित्र कुरान की कोई आयत नहीं लिखी थी। हालांकि, फडणवीस ने कहा कि, "कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई और संदेश वायरल हो गए, जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई।"

1250 लोगों पर एफआईआर दर्ज: कमिश्नर सिंघल

1250 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है. इस मामले में अभी तक 60 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है. नागपुर पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंघल ने बताया, "इस मामले में अभी तक 6 एफआईआर दर्ज हुई है, जिन लोगों के नाम सामने आए हैं उनको ट्रैक किया जा रहा है, सीसीटीवी भी खंगाला जा रहा है.

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस आरोपी फहीम खान को उसके यशोधरा नगर स्थित आवास से गिरफ्तार किया। आरोपी हिंसा के बाद से अपने घर में छुपा हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को अदालत में पेश किया, जिसे अदालत ने उसे 21 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

....कौन है फहीम खान

फहीम खान 38 वर्ष का है और उनकी शिक्षा 10वीं तक है। वह हिंसा भड़का रहा था। बताया गया है कि फहीम प्रदर्शनकारियों को यह कहकर भड़का रहा था कि पुलिस हिंदू समुदाय से है और उनकी मदद नहीं करती। फहीम ने पिछला लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा।

चादर पर नहीं थी कुरान की आयत, फैलाई गई अफवाह: सीएम फडणवीस

नागपुर दंगा मामले को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बयान दिया है. फडणवीस ने कहा कि 17 मार्च को नागपुर के महाल इलाके में कोई भी धार्मिक चादर नहीं जलाई गई है. उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसी धार्मिक चीजें नहीं जलाई गई हैं, जिसमें आयतें लिखी हुई थी. यह सिर्फ अफवाह थी, जिसकी वजह से वहां और भीड़ आई. सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों ने भी पुलिस पर हमला किया है, उनको छोड़ा नहीं जाएगा, उनके ऊपर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. नागपुर हिंसा में पुलिस पर हमला करने वालों को कब्र से खोदकर निकाला जाएगा.

पुणे में मजदूरों को ले जा रही बस में लगी आग, चार लोगों की मौत

पुणे.

महाराष्ट्र में पुणे के पास से बुधवार को एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक प्राइवेट फर्म की मिनीबस में आग लगने से ऑफिस जा रहे कंपनी के चार कर्मचारियों की जलकर मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मिनी बस में सुबह करीब साढ़े 7 बजे पिंपरी चिंचवाड़ इलाके के हिंजेवाड़ी में आग लग गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब मिनी बस में पीछे की तरफ मौजूद इमरजेंसी गेट खुल नहीं पाया और कुछ कर्मचारी गाड़ी के अंदर फंस गए। जांच के दौरान पता चला है कि गाड़ी में व्योम ग्राफिक्स कंपनी के कर्मचारी सवार थे। घटना के समय फर्म के 12 कर्मचारी वारजे से हिंजेवाड़ी में काम करने के लिए दफ्तर जा रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक जब गाड़ी डसॉल्ट सिस्टम्स के पास पहुंचा, तो ड्राइवर की सीट के नीचे आग लग गई। ड्राइवर ने गाड़ी को स्पीड कम कर दी जिसके बाद कुछ कर्मचारी मिनीबस से उतर गए।

हालांकि कुछ लोग अंदर ही फंस गए। हिंजेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कन्हैया थोरात ने पीटीआई को बताया, "खतरे को भांपते हुए चार कर्मचारी तुरंत मिनीबस से उतर गए। गाड़ी के पीछे बैठे लोगों ने पीछे की तरफ से इमरजेंसी एग्जिट गेट से भागने की कोशिश की लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए।" वहीं पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि आग आगे से पीछे की तरफ तेजी से फैली जिससे कर्मचारियों को भागने का मौका नहीं मिला और वे अंदर फंसे लोगों को बचाने में कामयाब रहे। बाद में आग पर काबू पा लिया गया है। यह घटना सुबह करीब आठ बजे घटी.

बस में कुल 15 लोग सवार थे. आगे बैठे लोग तुरंत नीचे कूद गए और बच गए. पीछे बैठे लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह बंद था और वह बाहर न निकल सके. इनमें में चार कर्मचारी आग से जलने से मौत हो गई. जानकारी सामने आ रही है कि ये चारों मृतक इंजीनियर थे. वहीं, हादसे में घायलों को इलाज के लिए रूबी हॉल क्लिनिक अस्पताल भेजा गया है.मृतकों की पहचान सुभाष भोसले (42), शंकर शिंदे (60), गुरुदास लोकरे (40) और राजू चव्हाण (40) के रूप में हुई है, जो सभी पुणे के निवासी हैं.

टेम्पो में 12 लोग सवार थे

हिंजवडी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर फेज 1 रोड पर व्योमा ग्राफिक्स कंपनी की टेम्पो ट्रैवल एमएच 14 सीडब्ल्यू 3548 बस में अचानक आग लग गई. टेम्पो में 12 लोग सवार थे, इनमें से 4 की मौत हो गई. व्योमा प्रिंटिंग प्रेस की बस तमन्ना सर्किल से रेजवान की ओर जा रही थी. अचानक बस में आगे लगने से हड़कंप मच गया. आग की लपटों को देख बस चालक बाहर कूद गया.

571 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप में सत्येंद्र जैन पर केस दर्ज

एसीबी के शिकंजे में फंसे सत्येंद्र जैन, हुआ बड़ा एक्शन

नई दिल्ली.

571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना में करोड़ों का घोटाला करने के आरोप में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दिल्ली सरकार के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने थे। परियोजना में देरी के कारण भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) पर लगाए गए 16 करोड़ रुपये के जुर्माने को सत्येंद्र जैन ने 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर मनमाने ढंग से पेनल्टी माफ किया था। मनमोहन पांडेय की शिकायत पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति मिलने के बाद एसीबी ने भ्रष्टाचार अधिनियम व आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क धारा 17 ए के तहत मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजने के सतर्कता निदेशालय के प्रस्ताव पर सहमति जताई थी ताकि एसीबी को जैन के खिलाफ केस दर्ज करने व जांच करने की मंजूरी मिल सके। जैन को मई 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर है। फरवरी 2023 में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

कितने सीसीटीवी कैमरों का मिला ऑर्डर?

बीईएल को अतिरिक्त 1.4 लाख कैमरे लगाने के बार-बार आदेश दिए जा रहे थे। सात करोड़ रुपये की रिश्वत उन्हीं ठेकेदारों के माध्यम से दी गई, जिन्हें 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरों का ऑर्डर मिला था। ऐसी कई अन्य शिकायतें भी हैं, जिनमें कहा गया है कि सीसीटीवी स्थापना का पूरा प्रोजेक्ट घटिया तरीके से किया गया था और पीडब्ल्यूडी द्वारा प्रोजेक्ट को अपने हाथ में लेने के समय भी कई सीसीटीवी कैमरे खराब थे। रिश्वत का भुगतान विभिन्न ठेकेदारों के माध्यम से किया गया था, जिसके बाद ठेकेदारों को दिए गए ऑर्डर को भी बढ़ा दिया गया। मधुर वर्मा का कहना है कि पीडब्ल्यूडी और बीईएल से घोटाले से संबंधित दस्तावेज प्राप्त किए जा रहे हैं और उनकी जांच की जा रही है। पूरी साजिश का पता लगाने के लिए तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री और बीईएल के अधिकारियों की भूमिका की जांच शुरू कर दी गई है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के बाद बुरहानपुर में तनाव

भोपाल. मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में मंगलवार रात को धार्मिक विवाद हो गया, जिससे शहर में तनाव की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, यह विवाद सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक धार्मिक टिप्पणी के कारण शुरू हुआ। देखते ही देखते यह पोस्ट वायरल हो गई और इसके बाद शहर में एक समुदाय के लोग आक्रोशित हो गए।

उन्होंने कोतवाली थाने का घेराव किया, जिसके चलते पुलिस को स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया और पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया। एसपी देवेंद्र पाटीदार और कलेक्टर हर्ष सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शांति बनाए रखने के लिए प्रयास शुरू किए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि पुलिस बल को विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया गया ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

एसपी पाटीदार ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि, "अब स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और शहर में शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें।" वहीं, पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि शहर में किसी भी प्रकार का असहमति या उग्र प्रतिक्रिया न हो। सुरक्षा के मद्देनजर, बुरहानपुर के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस के अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। प्रशासन की ओर से शांति व्यवस्था बनाए रखने की पूरी कोशिश की जा रही है।

सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी, फ्लोरिडा के तट पर उतरीं अंतरिक्ष परी

सफल वापसी के बाद गुजरात स्थित उनके पैतृक गांव में जश्न

नई दिल्ली. नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर आखिरकार 9 महीनों बाद धरती पर वापस लौट आए हैं. दोनों अंतरिक्ष यात्री भारतीय समय अनुसार बुधवार की सुबह 3.30 बजे फ्लोरिडा के तट पर सुरक्षित लैंड कर गए. अंतरिक्ष यात्री 17 घंटों का सफर करने के बाद धरती पर लौटे हैं. अंतरिक्ष यात्रियों की स्पेसएक्स कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से निकलने के कुछ ही घंटों बाद बुधवार को मेक्सिको की खाड़ी में पैराशूट से उतरा. फ्लोरिडा के तल्हासी तट पर यह स्पलैशडाउन हुआ. स्पेस एजेंसी नासा की ओर से अंतरिक्ष यात्रियों की लैंडिंग का वीडियो भी जारी किया गया है. सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर बीते साल 5 जून, 2024 को बोइंग स्टारलाइनर क्रू कैप्सूल में सवार होकर अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे. वैसे तो उनका मिशन केवल एक सप्ताह का ही था, लेकिन स्पेस स्टेशन में तकनीकी खराबी आने के कारण नासा को स्टारलाइनर को खाली करके अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में शिफ्ट कराना पड़ा था. तकनीकी खराबी के कारण उनकी वापसी इस साल फरवरी तक के लिए टाल दी गई थी. वापसी के दौरान सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के साथ क्रू-9 के दो अन्य एस्ट्रोनॉट निक हेग और अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी वापस लौटे. वे ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से धरती पर लौटे हैं. अंतरिक्ष से लौट के बाद सुनीता विलियम्स और उनके साथियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया.

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया

चंडीगढ़. फसलों की एमएसपी की कानूनी गारंटी को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान मोर्चे को लेकर पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को हिरासत में लिया है। डल्लेवाल मंगलवार को केंद्र के साथ चंडीगढ़ में हुई बैठक में शामिल हुए थे। चंडीगढ़ से खनौरी बॉर्डर लौटते समय पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। वहीं किसान मजदूर मोर्चे के नेता सरवन सिंह पंधेर को भी पुलिस ने डिटेन किया है। शंभू और खनौरी बॉर्डर के पास के इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों के साथ मीटिंग के बाद शंभू बॉर्डर के लिए जा रहे थे। उन्हें बनूड में मोहाली पुलिस की तरफ से डिटेन किया गया है। पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी नहीं बता रही है। सूत्रों के अनुसार उनके साथ तीन से चार अन्य किसान नेता भी थे। पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में लेकर बनूड़ पुलिस लाइन ले गए हैं। जानकारी मिल रही है कि किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़, काका कोटड़ा और अन्य किसानों को भी पंजाब पुलिस ने मोहाली में हिरासत में ले लिया है। बनूड़ पुलिस थाने के नजदीक मोहाली जिले की पूरी पुलिस फोर्स को इकट्ठा किया गया है। किसानों की तरफ से शंभू बॉर्डर पर लगाए गए धरने को आज उठाया जा सकता है। किसान नेताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद धरनाकारी किसानों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई है। शंभू बॉर्डर पर किसान भी अपनी तैयारी करने में जुटे हैं। ट्रालियों को हाथों से ही धकेलते हुए रास्ता बंद कर दिया है, ताकि पुलिस उन्हें वहां से खदेड़ न सके। किसानों ने भी पुलिस को रोकने के लिए 4 तरह की कि बैरिकेडिंग की है। इधर शंभू मोर्चे पर भारी पुलिस बल पहुंच गया है। पुलिस की तरफ से भी शंभू बॉर्डर पर वाटर कैनन की गाड़ियां एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी पहुंच गई हैं।

घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच में एनआईए का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली. घुसपैठ से संबंधित मामलों की चल रही जांच के तहत जम्मू में 10 स्थानों पर छापामारी कर रही है। इस बीच, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली उच्च न्यायालय में बारामुला के सांसद अब्दुल रशीद शेख की याचिका का विरोध करते हुए जवाब दाखिल किया है। एनआईए ने हाई कोर्ट से अनुरोध किया है कि याचिका को खारिज कर दिया जाए क्योंकि यह सुनवाई योग्य नहीं है। इंजीनियर रशीद के नाम से मशहूर सांसद अब्दुल रशीद शेख ने संसद सत्र में भाग लेने के लिए अंतरिम जमानत या अंतरिम कस्टडी पैरोल की मांग की है। याचिका पर वीरवार को हाई कोर्ट में सुनवाई होगी। एनआईए ने 12 मार्च को न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ द्वारा पारित आदेश के अनुसरण में एक एफिडेविट दायर किया था। इसमें कहा गया है कि अपीलकर्ता आरोपी अब्दुल रशीद शेख की एनआईए अधिनियम, 2008 की धारा 21 के तहत वर्तमान अपील, जिसमें 11 मार्च से 4 अप्रैल तक लोकसभा के चौथे शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए अंतरिम जमानत या वैकल्पिक हिरासत पैरोल की मांग की गई है को खारिज कर दिया जाए क्योंकि यह सुनवाई योग्य नहीं है और गुण-दोष के आधार पर खारिज किए जाने योग्य भी है।

बजरंग दल के आठ कार्यकर्ताओं को मिली जमानत

कोतवाली पुलिस ने अदालत में किया था पेश

नागपुर. छत्रपति संभाजी नगर से औरंगज़ेब की कब्र को हटाने के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप मामले में विश्व हिन्दू परिषद् के आठ कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। सभी कार्यकर्ताओं ने बुधवार दोपहर को कोतवाली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। जहां पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया था। गिरफ़्तारी के बाद अदालत ने सभी को जिला सत्र न्यायालय में पेश किया किया था। ज्ञात हो कि, महाराष्ट्र पुलिस ने नागपुर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के पदाधिकारियों के खिलाफ छत्रपति संभाजीनगर में मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग के किये विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान औरंगज़ेब की कब्र का प्रतीकात्मक पुतला भी जलाया गया था। इस दौरान कुछ लोगों ने वीएचपी कार्यकर्ताओं पर एक धर्म विशेष के धार्मिक कपडे को जलने का आरोप लगाया था। जिसको लेकर उस धर्म को मानाने वाले लोगों ने गणेशपेठ थाने के बाहर प्रदर्शन किया था जिसके बाद सभी के खिलाफ पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के तहत मामला दर्ज किया था। हालांकि, इसके बाद नागपुर में इसको लेकर हिंसा हो गई थी। उपद्रवियों ने महल सहित हंसपुरी आगजनी और तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान की वाहनों को आग के हवाले भी कर दिया गया था।

> शांति बनी रहे इसलिए किया था आत्मसमर्पण

विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों के अधिवक्ता संजय बालपांडे ने कहा कि, "लोगों में यह धारणा थी कि पुलिस एकतरफा कार्रवाई कर रही है और मामले में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने में पुलिस ढिलाई बरत रही है। स्थिति शांतिपूर्ण बनी रहे, और जो गलत धारणा बन रही थी वह टूटे इसके लिए आरोपियों ने आत्मसमर्पण किया। जहां अब सभी को अदालत में पेश किया जाएगा।" बालपांडे ने आगे कहा कि, "सभी ने अनुमति लेकर विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन बाद में हिंसा भड़क गई। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है और अदालत में पेश किया जा रहा है।"

> 'कब्र में छुपे हैं तो ढूंढकर निकालेंगे': सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा, "आयत वाली कोई चादर नहीं जलाई गई. आयत को लेकर अफवाह फैलाई गई. यह संदेश जानबूझकर वायरल किया गया कि आयत को जलाया गया. पुलिस और मेरे बयान में कोई फर्क नहीं है. पुलिस पर हमला करने वाले बचेंगे नहीं. किसी भी दोषी को नहीं छोड़ेंगे. कब्र में छुपे हैं तो कब्र से निकालेंगे."

> नागपुर में कर्फ्यू हटाने पर पुलिस जल्द लेगी फैसला

नागपुर में सोमवार को जिन इलाकों में हिंसा हुई वहां कर्फ्यू लगाया गया. इन इलाके का जायजा लेने के लिए नागपुर के पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंगल हिंसा वाली जगह पहुंचे. आज देर शाम समीक्षा कर निर्णय लिया जाएगा की क्या कर्फ्यू बढ़ाना है या अब ढील दी जा सकती है?

पतंजलि बनेगा मजबूत भारत की नीवं का हिस्सा

> आत्मनिर्भरता और समग्र स्वास्थ्य पर केंद्रित योजनाएं

नई दिल्ली.

पतंजलि की भविष्य की योजनाएं आत्मनिर्भरता और समग्र स्वास्थ्य पर केंद्रित हैं. पतंजलि आयुर्वेद किसानों, जड़ी-बूटी उत्पादकों और स्थानीय कारीगरों को सहयोग देकर स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है.पतंजलि आयुर्वेद ने भारतीय वेलनेस उद्योग में एक नई क्रांति लाई है और आयुर्वेद को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है. योग गुरु स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में पतंजलि ने न केवल स्वास्थ्य और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी अहम योगदान दिया है. पतंजलि आयुर्वेद की भविष्य की योजनाएं आत्मनिर्भरता, समग्र स्वास्थ्य, इनोवेशन और वैश्विक विस्तार पर केंद्रित हैं, जिससे भारत को एक सशक्त और स्वस्थ राष्ट्र बनाया जा सके.

पतंजलि आयुर्वेद अपने ग्लोबल विस्तार के माध्यम से प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति को दुनियाभर में लोकप्रिय बना रहा है. अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और एशिया में अपने उत्पादों का निर्यात बढ़ाकर, पतंजलि ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्वदेशी उत्पादों की मांग को मजबूत किया है. कंपनी ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का उपयोग करके अपने उत्पादों की ग्लोबल उपलब्धता सुनिश्चित की है. इसके साथ ही, योग और आयुर्वेदिक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना के जरिए पतंजलि ग्लोबल स्वास्थ्य प्रणाली में आयुर्वेद को एक प्रभावी चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित कर रहा है.

नोवेशन और तकनीकी विकास

पतंजलि अपने अगले व्यावसायिक अध्ययन में अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता दे रहा है, जिससे आयुर्वेदिक उत्पादों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर उनकी प्रभावशीलता बढ़ाई जा सके. टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थकेयर, बायोटेक्नोलॉजी और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रक्रियाओं के माध्यम से कंपनी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बना रही है.पतंजलि का दीर्घकालिक विजन भारत के विकास लक्ष्यों जैसे आत्मनिर्भर भारत, स्वास्थ्य सुरक्षा, ग्रामीण सशक्तिकरण और सतत विकास के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है. जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण, और वैश्विक स्तर पर भारतीय चिकित्सा पद्धति को स्थापित करने के प्रयासों के जरिए पतंजलि भारत को एक स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

पतंजलि की भविष्य की योजनाएं आत्मनिर्भरता और समग्र स्वास्थ्य पर केंद्रित हैं. पतंजलि आयुर्वेद किसानों, जड़ी-बूटी उत्पादकों और स्थानीय कारीगरों को सहयोग देकर स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है. योग, प्राकृतिक जीवनशैली और संतुलित पोषण को बढ़ावा देकर, पतंजलि एक संपूर्ण स्वास्थ्य मॉडल विकसित कर रहा है.

इसके साथ ही, आयुर्वेदिक अनुसंधान और वैज्ञानिक प्रमाणों के माध्यम से अपने उत्पादों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है.

अंबुजा सीमेंट्स की पहल

> महाराष्ट्र में सीढ़ीनुमा खेती से कृषि में सुधार

मुंबई.

मजबूर विविधीकृत अदानी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से जिवती तालुका,नागपुर और चंद्रपुर के शुष्क, पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि परिवर्तन को आगे बढ़ा रही है। मिट्टी के कटाव, पानी की कमी और कम कृषि उपज से निपटने के लिए, सीएसआर टीम ने सीढ़ीदार खेती की शुरुआत की, जिसमें 15 किसान 6 हेक्टेयर बंजर भूमि को खेती योग्य खेतों में बदल पाए।

जिवती में, किसान आनंद कोडापे को पहले अपनी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर खेती करने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। अंबुजा सीमेंट्स की सीएसआर टीम की मदद से, उन्होंने सीढ़ीदार खेती को अपनाया, मिट्टी की नमी को बेहतर बनाया और अपनी फसलों में विविधता लाई, जिससे उनकी आय 16,250 रुपये से दोगुनी होकर 34,880 रुपये हो गई। उनकी सफलता ने सरकारी सहायता प्राप्त की है, जिससे उन्हें उन्नत कृषि अवसंरचना के लिए सब्सिडी के साथ संचालन बढ़ाने में मदद मिली है।

टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर, अंबुजा सीमेंट्स और इसकी सीएसआर टीम शुष्क भू-भागों को समृद्ध कृषि केंद्रों में बदल रही है, जिससे जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और आजीविका को सुरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

हटसन एग्रो प्रोडक्ट्स ने खोला 4000वां हाप डेली आउटलेट

> रिटेल क्षेत्र में और अधिक मजबूत हुई स्थिति

नई दिल्ली.

हटसन एग्रो प्रॉडक्ट लिमिटेड ने आंध्र प्रदेश के भीमावरम में अपना 4000वां हाप डेली आउटलेट खोलकर रिटेल क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत की है। इस आउटलेट के माध्यम से कंपनी उपभोक्ताओं को ताज़ा और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद प्रदान करेगी।कंपनी का उद्देश्य अरुण आइसक्रीम, हटसन और हैनोबार जैसे ब्रांड्स के जरिए रिटेल क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को सशक्त बनाना है। हाप डेली आउटलेट्स में दूध, दही, छाछ, पनीर, योगर्ट, जूस और आइसक्रीम जैसे उत्पाद बेचे जाएंगे, जिनकी आपूर्ति आसपास स्थित रिटेल दुकानों में भी की जाएगी। हटसन एग्रो के चेयरमैन, श्री आर.जी. चंद्र मोगन ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि कंपनी की यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और वे उपभोक्ताओं को बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी का लक्ष्य अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को सशक्त बनाना और डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

सोने के गहने बेचने के नुकसान

नई दिल्ली.

सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के बाद भी साल 2023-24 में सोने की मांग में 18 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई थी. इतना ही नहीं, आईसीआरए को यह उम्मीद है कि साल 2024-25 में घरेलू सोने के आभूषणों की खपत मूल्य के हिसाब से 14 से 18 प्रतिशत तक बढ़ेगी.भारत में सोने की चमक कभी फीकी नहीं पड़ती – यह भावना, निवेश और बीमा, सभी का एक मिश्रण है. 18 मार्च तक 22 कैरेट वाले सोने की कीमत 9 हजार रुपए प्रति ग्राम थी. ऐसे में कई लोगों के दिमाग में कई तरह के सवाल चल रहें है. कई लोग नया और ट्रेंडी ज्वेलरी खरीदने के लिए पुराने गहने बेच देते हैं. तो कई सोच रहे हैं कि इसे अभी रख लेते हैं बाद में कीमत में अगर कुछ बदलाव होगा तब वो इसे बेचकर निकलेंगे. अगर आप भी ऐसा सोच रहे हैं तो उससे पहले कुछ लागतों के बारे में जरूर जान लेना चाहिए. चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से समझाते हैं.सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के बाद भी साल 2023-24 में सोने की मांग में 18 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई थी. इतना ही नहीं, आईसीआरए को यह उम्मीद है कि साल 2024-25 में घरेलू सोने के

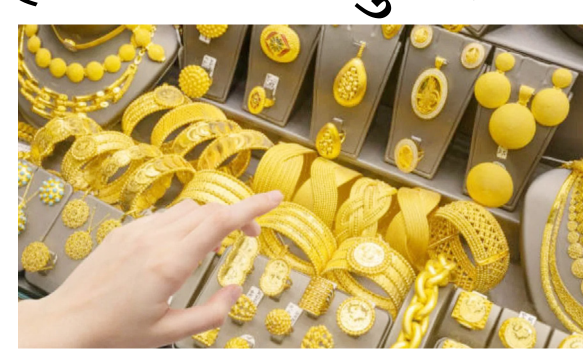

आभूषणों की खपत मूल्य के हिसाब से 14 से 18 प्रतिशत तक बढ़ेगी. भले सोना महंगा बना हुआ है, लेकिन इसे इन्फ्लेशन और करेंसी डिवोल्यूशन के खिलाफ बचाव के रूप में देखा जाता है. रेडसीर और पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अभी ज्वेलरी मार्केट लगभग 67 बिलीयन डॉलर का है. जो साल 2028 तक 115 से 125 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने की उम्मीद जताई जा रही है.

सोने को बेचने या एक्सचेंज करने में होने वाली कटौतियां : अगर आप सोने को बेच रहे हैं या एक्सचेंज कर रहे हैं तो उसके पहले आपको उन कटौतियों के बारे में जरूर जान लेना चाहिए. इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं. जब भी आप सोना बेचने जाते हैं तो उसमें से केवल मेकिंग चार्ज ही नहीं बल्कि मार्केट प्राइस और जीएसटी भी साथ में काट लिया जाता है. जिसके कारण आपको नुकसान होता है.जब आप अपने पुराने गहनों को बेचकर नए गहने लेने जाते हैं तो पुराने गहनों की कीमत में से जीएसटी, मार्केट प्राइस कटौती और मेकिंग चार्ज आदि भी काट लिया जाता है. इसके बाद आप आपके ही द्वारा बेचे जा रहे सोने के गहने का दाम कम हो जाता है.

अगर आप इसके बदले में एक नया गहना खरीदते हैं तो आपको उसे नए गहने पर मेकिंग चार्जेस, जो 10 से 25 फीसदी हो सकता है और 3% जीएसटी का अलग से भुगतान करना होता है. अगर आप सोने में इन्वेस्ट करने का प्लान बना रहे हैं तो आप गहने के बजाय सोने के सिक्कों या फिर बार में निवेश कर सकते हैं. क्योंकि गहने में मिश्र धातु और निर्माण शुल्क लागू होता है.

इंडियन ऑइल ने जेलों में सुधार के लिए नई पहल शुरू की

हरिद्वार.

इंडियन ऑइल ने अपनी 'परिवर्तन - जेल से गौरव' और 'नई दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' पहल के नए चरणों का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य जेलों और सुधार गृहों के कैदियों के जीवन को खेलों के माध्यम से बदलना है। इस पहल का लक्ष्य 22 जेलों और 5 बाल सुधार गृहों में 1000 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करना है।इंडियन ऑइल के चेयरमैन, श्री ए एस साहनी ने इस अवसर पर कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से कैदियों को खेलों में कोचिंग देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी प्रतिभा और ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिलेगी।इस पहल ने भारत के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 10,000 से अधिक लोगों को प्रभावित किया है और इसे कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। इंडियन ऑइल अब 63 ईंधन स्टेशनों के माध्यम से अपने उम्मीद-ए-होप प्रोजेक्ट के तहत पूर्व और वर्तमान कैदियों के सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा दे रहा है।इंडियनऑयल एक फॉर्च्यून 500, एकीकृत ऊर्जा प्रमुख है जिसकी उपस्थिति तेल, गैस, पेट्रोकेमिकल्स और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की लगभग सभी धाराओं में है। 29,000 से अधिक कर्मचारियों, व्यापक रिफाइनिंग, वितरण और विपणन बुनियादी ढांचे और उन्नत अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के साथ, इंडियनऑयल 61000 से अधिक ग्राहक टचपॉइंट्स के अपने लगातार बढ़ते नेटवर्क के माध्यम से देश भर में लाखों लोगों को ऊर्जा पहुंच प्रदान कर रहा है।

एचडीएफसी बैंक जल्द दे सकता है बड़ा तोहफा

नई दिल्ली.

भारत के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने मंगलवार को अपने जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित करने की तारीख का ऐलान किया है। इसके साथ ही बैंक ने डिविडेंड और ट्रेडिंग विंडो बंद होने की जानकारी भी शेयर बाजार को दी.एचडीएफसी बैंक ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग 19 अप्रैल 2025 को होगी। इस मीटिंग में 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी।

बैंक की बोर्ड मीटिंग में अगले 12 महीनों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए लॉन्ग-टर्म बॉन्ड, परपेचुअल डेट इंस्ट्रूमेंट्स (एडिशनल टियर-1 कैपिटल के हिस्से) और टियर-2 कैपिटल बॉन्ड जारी करने के वार्षिक रिन्यूअल पर भी विचार किया जाएगा। ये सभी प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए जारी किए जाएंगे।बुधवार को एचडीएफसी बैंक के शेयर बीएसइ पर 0.62% की तेजी के साथ ₹743.85 पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले एक हफ्ते में बैंक के शेयरों में करीब 3% की बढ़त दर्ज की गई है। बैंक ने बताया कि बैंक के सिक्योरिटीज (शेयरों) में ट्रेडिंग विंडो 25 मार्च 2025 से 21 अप्रैल 2025 तक बंद रहेगी। इस दौरान बैंक के कर्मचारी और उनके करीबी रिश्तेदारों को शेयरों की खरीद-बिक्री की अनुमति नहीं होगी।बैंक ने कहा कि

बोर्ड मीटिंग में 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए फाइनल डिविडेंड की सिफारिश पर भी विचार किया जाएगा। पिछले साल एचडीएफसी बैंक ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर ₹9.50 का डिविडेंड दिया था। इस साल डिविडेंड की रकम क्या होगी, इसका ऐलान भी इसी मीटिंग में किया जाएगा।

रिकॉर्ड डेट भी होगी तय : बैंक ने बताया कि डिविडेंड की सिफारिश के साथ-साथ उसका रिकॉर्ड डेट भी तय किया जाएगा। रिकॉर्ड डेट वह तारीख होती है, जिस दिन तक जिन निवेशकों के पास बैंक के शेयर होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे।बुधवार को एचडीएफसी के शेयर बीएसइ र 0.62% की तेजी के साथ ₹743.85 पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले एक हफ्ते में बैंक के शेयरों में करीब 3% की बढ़त दर्ज की गई है।

"मोदी सरकार का यूपीआई पर नया फैसला

नई दिल्ली.

केंद्र की मोदी सरकार ने छोटे ट्रांजैक्शन पर बड़ी राहत दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को छोटे डिजिटल पेमेंट के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी।केंद्र की मोदी सरकार ने छोटे ट्रांजैक्शन पर बड़ी राहत दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को छोटे डिजिटल पेमेंट के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी। इसका लाभ विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को मिलेगा।

सरकार का लक्ष्य कारोबारियों और कंज्यूमर पर वित्तीय बोझ को कम करते हुए डिजिटल भुगतान की पहुंच बढ़ाना है।

शुगर शेयरों में तेजी

> फिर 10% तक बढ़ा भाव!

नई दिल्ली.

चीनी की धीमी रिकवरी को देखते हुए चीनी सीजन 2025 में भारत का चीनी उत्पादन पिछले अनुमान के साथ-साथ सालाना उत्पादन के मुकाबले कम रहने की संभावना है। चीनी कंपनियों के शेयर बुधवार (19 मार्च) को शुरुआती कारोबार में 10% तक चढ़ गए। इससे पहले मंगलवार को भी चीनी कंपनियों के स्टॉक्स में जोरदार तेजी देखने को मिली थी।

चीनी का उत्पादन करने वाली बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर आज बीएसई पर 9% या 46 रुपये चढ़कर 549 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.22% चढ़कर 75,465 पर कारोबार कर रहा है।

धामपुर शुगर मिल्स लिमिटेड के शेयरों में शुरूआती कारोबार के दौरान 5% तक उछल गए। वहीं, बजाज हिंदुस्तान के शेयर भी बीएसई पर 5% तक चढ़ गए। श्री रेणुका शुगर्स के शेयरों में भी जोरदार उछाल देखा गया और 5% चढ़कर कारोबार कर रहा था

इसके अलावा मगध शुगर एंड एनर्जी, अवध शुगर एंड एनर्जी, राजश्री शुगर्स एंड केमिकल्स, डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज, उत्तम शुगर मिल्स, आंध्रा शुगर्स लिमिटेड जैसी चीनी कंपनियों के शेयर 7 से 2% तक उछल गए। जेएम फाइनैंशियल इंस्टिट्यूशनल सिक्योरिटीज के एनालिस्ट्स का मानना है कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में चीनी खंड में प्रॉफिटेबिलिटी मजबूत रहने की संभावना है। ब्रोकरेज के एनालिस्ट्स के अनुसार ये चीनी मिलें इन ऊंचे स्तरों पर डिस्टिलरी डिविजन को एथेनॉल ट्रांसफर करेंगी।

नैशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज (एनएफसीएसएफ) ने अनुमान लगाया है कि 2024-25 के चालू सीजन में देश का कुल चीनी उत्पादन पिछले सीजन के 3.19 करोड़ टन से कम होकर 2.59 करोड़ टन रह सकता है। यह एक अन्य उद्योग संस्था – इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के जारी आंकड़ों से अलग है जिसका सीजन के लिए पहला अनुमान 2.722 करोड़ टन था।चीनी की धीमी रिकवरी को देखते हुए चीनी सीजन 2025 में भारत का चीनी उत्पादन पिछले अनुमान के साथ-साथ सालाना उत्पादन के मुकाबले कम रहने की संभावना है। उच्च स्थिर लागत की भरपाई के लिए चीनी मिलें कीमतें बढ़ा रही हैं। मार्च तिमाही में अब तक प्रमुख राज्यों में चीनी की कीमतें तिमाही आधार पर 7 से 9 फीसदी बढ़ी हैं।

शुगर स्टॉक्स में तेजी की वजह?

तीन प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश- में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका के कारण बुधवार के ट्रेडिंग सेशन में बीएसई पर चीनी कंपनियों के शेयरों में 10 फीसदी तक का उछाल आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत का चीनी उत्पादन इस सीजन में अभी तक 16.13 फीसदी घटकर 2.37 करोड़ टन रह गया है।

निकाल — महाराष्ट्र सह्याद्री 4:30 वाजता

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी • विजयालक्ष्मी विकली लॉटरी • सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 12 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 19/03/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/-	SV-05 : 3291

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	1488		
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1531	4561 विशेष डिस्ट्रिब्युटर, गोरेगाव	5470 जे. पी. एस. लॉटरी सेंटर - डहाणू

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1058	2067	2821	3748	4747
1134	2211	3073	3889	4847
1281	2525	3174	4126	4933
1369	2529	3230	4214	5359
1587	2570	3261	4232	5374
1718	2701	3370	4328	5589
1796	2747	3421	4374	5699
2064	2819	3593	4488	5758

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 21/03/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिकिटाची किंमत ₹200/-

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 19/03/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र अक्षय विकली लॉटरी

सोडत दर बुधवारी • तिकीट किंमत रु. 50/- • सोडत क्र. 12 • सोडत दिनांक 19/03/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख	AK-00 : 4982
उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/-	पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 4982 — किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली; श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	2996	3871	5006	5455	5946	6039
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1402	2379	3235	3899	4213	6601
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1320	1525	4975	5738	6503	6736
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	2337	3741	3839	4426	4509	5331

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1798	2233	2627	2981	3391	3844	4281	4589	4944	5530	6066	6650
		1810	2237	2636	2984	3394	3850	4317	4591	4988	5541	6114	6657
1003	1361	1811	2242	2672	3012	3395	3872	4327	4593	5005	5549	6123	6671
1012	1364	1822	2251	2677	3018	3403	3878	4334	4598	5008	5553	6160	6679
1015	1368	1871	2275	2679	3032	3432	3886	4372	4600	5010	5556	6185	6681
1017	1369	1881	2276	2705	3037	3443	3893	4374	4609	5025	5563	6242	6683
1019	1391	1889	2281	2720	3039	3449	3895	4378	4621	5045	5564	6249	6695
1021	1392	1891	2282	2723	3053	3466	3913	4384	4642	5081	5570	6274	6696
1038	1412	1894	2297	2724	3073	3500	3924	4399	4645	5085	5576	6294	6698
1049	1415	1905	2305	2729	3087	3509	3938	4400	4649	5091	5577	6295	6700
1071	1442	1920	2316	2761	3107	3592	3939	4404	4659	5128	5581	6298	6702
1081	1453	1930	2319	2764	3110	3608	3971	4408	4672	5145	5585	6308	6710
1097	1475	1940	2324	2773	3118	3609	3973	4410	4702	5150	5593	6331	6714
1113	1517	1951	2329	2782	3121	3623	3984	4419	4704	5158	5657	6337	6718
1117	1519	1954	2357	2799	3125	3632	3993	4421	4705	5213	5659	6355	6740
1130	1527	1961	2416	2809	3177	3634	3999	4449	4707	5293	5691	6367	6762
1132	1531	1971	2419	2820	3188	3635	4033	4450	4717	5302	5705	6386	6763
1135	1548	1981	2421	2822	3192	3640	4040	4451	4740	5323	5708	6427	6792
1139	1593	2005	2424	2824	3197	3658	4048	4454	4741	5353	5753	6450	6798
1145	1610	2018	2463	2831	3217	3670	4049	4456	4744	5369	5756	6452	6816
1146	1626	2025	2464	2832	3230	3673	4052	4457	4746	5385	5763	6460	6818
1167	1629	2074	2468	2840	3233	3680	4070	4458	4770	5431	5791	6462	6826
1173	1633	2084	2472	2855	3269	3693	4078	4460	4786	5441	5838	6477	6831
1180	1648	2098	2475	2865	3281	3698	4079	4464	4805	5449	5853	6486	6843
1188	1655	2128	2482	2904	3287	3707	4092	4465	4811	5451	5856	6495	6855
1195	1658	2138	2503	2917	3294	3730	4094	4467	4831	5454	5875	6511	6857
1224	1659	2168	2536	2921	3303	3733	4113	4470	4836	5465	5925	6516	6859
1238	1666	2182	2540	2925	3308	3737	4134	4474	4846	5502	5929	6559	6860
1267	1667	2197	2552	2926	3312	3739	4221	4478	4851	5504	5954	6566	6861
1291	1686	2212	2557	2929	3313	3745	4236	4479	4878	5505	5958	6568	6866
1301	1713	2218	2565	2940	3316	3765	4238	4489	4879	5508	5977	6599	6892
1303	1714	2224	2568	2941	3346	3773	4244	4495	4895	5512	5982	6603	6916
1311	1721	2225	2578	2965	3368	3791	4246	4504	4908	5520	5988	6618	6930
1319	1728	2227	2589	2966	3372	3809	4247	4525	4925	5521	5995	6630	6960
1338	1745	2228	2592	2972	3373	3829	4250	4557	4941	5523	6044	6639	6968
1358	1767	2229	2624	2979	3389	3838	4279	4561	4942	5527	6064	6648	6987

महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख (₹ 1 लाखाची 8 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख (₹ 2 लाखाची 5 बक्षिसे) — ₹200/-

अक्षय सोडत दिनांक 19/03/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — गणेशलक्ष्मी विजयी विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 5:00

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 12 • तिकीट किं. रु.10/- • सोडत दिनांक 19/03/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/-	MG-06 : 5884

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	7775				
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1214 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई	2376 ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे	5255 प्रिन्स लॉटरी सेंटर अँड जनरल स्टोअर्स - कल्याण	7794	8902

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

चौथे बक्षिस रु. 400/-								
	1727	2831	3438	4255	5234	6365	7301	8038
1016	1821	2853	3514	4294	5275	6610	7315	8139
1125	1841	2923	3564	4390	5458	6778	7331	8201
1149	1933	3031	3809	4404	5494	6806	7484	8273
1159	2239	3132	4064	4407	5526	6828	7501	8301
1333	2250	3239	4084	4427	5834	6867	7565	8344
1347	2600	3293	4136	4541	5959	6972	7737	8496
1488	2602	3368	4244	5058	6050	7000	7781	8686
1526	2810	3391	4245	5191	6254	7237	7792	8835

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 25/03/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर पहिले सामाईक बक्षिस रु. ₹ 14 लाख — दुसरे बक्षिस ₹ 2.5 लाख (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे) — तिकिट किंमत ₹20/-

गणेशलक्ष्मी विजयी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 19/03/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी बुध विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 12 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 19/03/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	5707	2516	8190	3448 त्रिमूर्ती लॉटरी एजन्सी, मुंबई	2148

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	5197	5532

तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	0815	2530	5468	6076	8534

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	1162	1900	1962	2035	2077	5795	5979	6595	7218	9700
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	1677	1808	3201	4312	4983	5624	8070	8271	8578	9725

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	0950	1697	2692	3605	4544	5335	6206	7003	8082	9048
	0970	1750	2739	3624	4632	5348	6248	7023	8145	9054
0002	1055	1777	2755	3802	4655	5409	6276	7276	8168	9225
0003	1126	1831	2832	3803	4661	5425	6303	7280	8284	9258
0021	1134	2074	2839	4040	4728	5513	6360	7296	8398	9470
0051	1142	2131	2907	4140	4751	5517	6361	7385	8508	9499
0081	1210	2159	2921	4146	4918	5553	6417	7386	8559	9540
0216	1211	2221	3060	4179	4944	5560	6423	7451	8578	9543
0223	1218	2222	3087	4194	4973	5599	6571	7515	8607	9586
0329	1238	2224	3184	4214	4994	5632	6615	7517	8615	9612
0380	1310	2249	3185	4221	4999	5660	6625	7520	8713	9669
0464	1382	2257	3315	4228	5002	5754	6655	7646	8780	9681
0489	1387	2326	3335	4364	5048	5790	6656	7771	8806	9699
0501	1459	2417	3379	4410	5055	5805	6659	7775	8807	9725
0607	1580	2442	3391	4440	5138	5851	6685	7785	8811	9806
0706	1594	2452	3436	4466	5241	5889	6686	7793	8814	9824
0738	1610	2514	3463	4473	5282	5925	6701	7852	8843	9898
0753	1670	2526	3530	4497	5300	5986	6756	7887	8873	9961
0783	1696	2542	3538	4540	5325	6065	6760	8041	8876	9989

महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख (₹ 1 लाखाची 8 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख (₹ 2 लाखाची 5 बक्षिसे) — ₹200/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी बुध विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 19/03/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

'नए शिवाजी' पर शिवसेना 'यूबीटी' ने बीजेपी को घेरा

> औरंगजेब की कब्र पर सवाल उठाए

मुंबई.

राज्य में इस समय मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर बवाल मचा हुआ है. इसी बीच शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में एक बार फिर औरंगजेब को लेकर उद्धव गुट ने बीजेपी पर निशाना साधा है. सामना में लिखा गया है कि देवेंद्र फडणवीस को शिवाजी महाराज से ज्यादा औरंगजेब महत्वपूर्ण लगता है. मुखपत्र में लिखा गया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राणा भीमदेवी की तरह केवल भाषण देते हैं, लेकिन वास्तव में कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते, यह बार-बार दिख रहा है. साथ ही कहा गया,

बीजेपी के पेट में नया शिवाजी पल रहा है. पत्र में नागपुर में हुए दंगों को लेकर सवाल उठाए गए हैं. लिखा गया है, औरंगजेब की कब्र को लेकर नागपुर में दंगे भड़क उठे. पुलिस पर हमले हुए, नागपुर में आगजनी की घटनाएं हुईं.

नागपुर का 300 साल का इतिहास है. इन 300 सालों में कभी दंगे नहीं हुए, तो अब यह विवाद क्यों भड़का? फडणवीस कहते हैं कि ये दंगाई बाहरी थे. बाहरी दंगाई शहर में आकर उपद्रव मचाने तक पुलिस क्या कर रही थी? गृह मंत्रालय के गुप्तचर सो रहे थे क्या? ऐसे सवाल उठ रहे हैं. सामना आगे कहा गया, लोकसभा में बीजेपी के ओडिशा के बारगढ़ से सांसद प्रदीप पुरोहित ने सार्वजनिक रूप से कहा, हमारे शिवाजी मोदी हैं. मोदी पिछले जन्म में छत्रपति शिवाजी थे. तो अब बीजेपी ने नए शिवाजी को जन्म दिया है और इसके लिए मूल शिवाजी को खत्म करने की उनकी योजना है फिर छत्रपति शिवाजी महाराज को खत्म करना है तो पहले औरंगजेब की कब्र को ध्वस्त करना होगा.

छावा फिल्म के बाद विवाद

पत्र में कहा गया है कि महाराष्ट्र में औरंगजेब का महिमामंडन कोई नहीं करेगा. यहां सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज की ही जय-जयकार होगी इसलिए छावा फिल्म के प्रदर्शन के बाद से संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जैसे संगठनों और बीजेपी के हिंदुत्ववादी तत्वों ने औरंगजेब की कब्र के खिलाफ राजनीतिक रौद्र रूप दिखाया और महाराष्ट्र का माहौल खराब कर दिया.

नीट पीजी 2025 के दो सत्रों पर डॉक्टरों का विरोध

मुंबई.

राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड ने स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवश्यक नीट पीजी परीक्षा इस वर्ष दो सत्रों में आयोजित करने का निर्णय लिया है। हालांकि, डॉक्टरों के संघों ने दो सत्रों में नीट पीजी परीक्षा आयोजित करने का विरोध किया है और मुद्दा उठाया है कि यदि परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाती है, तो अंकों के सामान्यीकरण में अनियमितता और परीक्षार्थियों के साथ अन्याय होने की संभावना है। इस परीक्षा को एक सत्र में आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड को भी पत्र भेजा गया है।

राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड ने हाल ही में नीट पीजी परीक्षा की तारीख की घोषणा की है। यह भी घोषणा की गई है कि यह कंप्यूटर आधारित परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। हालांकि, नीट पीजी परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों, डॉक्टरों और डॉक्टरों के संघों ने सोशल मीडिया पर सामान्यीकरण प्रक्रिया और परीक्षण की निष्पक्षता के बारे में चिंता व्यक्त की है और दो सत्रों में परीक्षा आयोजित करने का विरोध किया है। यदि परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी तो यह छात्रों के साथ अन्याय होगा।

2024 में यह परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। उस समय, अंकों के सामान्यीकरण में अनियमितताएं पाई गईं। इसलिए इस वर्ष भी कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अलग-अलग सत्रों के लिए अलग-अलग प्रश्न हैं। परीक्षा के कठिनाई स्तर में अंतर हो सकता है। डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड को भेजे पत्र में कहा कि इससे सामान्यीकरण प्रक्रिया में अनियमितताएं हो सकती हैं और परीक्षार्थियों के साथ अन्याय हो सकता है।

परीक्षा की तैयारी करते समय छात्र पहले से ही काफी मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं। ऐसी स्थितियों में, सामान्यीकरण जैसी अनिश्चितता उनके तनाव को और बढ़ा देती है। इसलिए, सभी छात्रों को समान अवसर मिले तथा परीक्षा में आत्मविश्वास बना रहे, इसके लिए यह परीक्षा एक ही सत्र में लेना बहुत जरूरी है। ताकि न्याय, पारदर्शिता और गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जा सके, ऐसा 'एफएआईएमए' के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अक्षय डोंगरदिवे ने कहा।

औरंगजेब नहीं है प्रासंगिक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बयान

मुंबई.

नागपुर में इस समय मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है. इसी बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की 3 दिवसीय बैठक के चलते अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस पीसी के दौरान सुनील आंबेकर से औरंगजेब को लेकर सवाल पूछा गया. उन से पूछा गया कि क्या अभी भी औरंगजेब प्रासंगिक है? जहां इस वक्त औरंगजेब की कब्र को हटाने को लेकर बवाल मचा हुआ है. इसी बीच सुनील आंबेकर से जब नागपुर में हुई हिंसा और औरंगजेब की कब्र को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, किसी भी तरह की हिंसा समाज के लिए अच्छी नहीं है. पुलिस ने इस पर एक्शन लिया है. पुलिस इसकी जांच कर रही है. साथ ही मुगल बादशाह को लेकर उन्होंने कहा, औरंगजेब प्रासंगिक नहीं है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की 3 दिवसीय बैठक 21 से 23 मार्च तक कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुरू होने जा रही है, 19 मार्च को इस बैठक को लेकर अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान प्रचार प्रमुख ने 3 दिवसीय होने वाली बैठक को लेकर जानकारी दी. उन्होंने कहा, बैठक में देश भर से प्रतिनिधि शामिल होंगे. संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी हिस्सा बनेंगे. उन्होंने जानकारी दी कि बैठक की शुरुआत 21 मार्च को सुबह 9 बजे होगी और 23 तारीख की शाम तक बैठक होगी. यह संघ की रचना में सबसे महत्वपूर्ण बैठक है. प्रचार प्रमुख ने बताया कि इस बैठक में दो प्रस्ताव अनुमोदन के लिए रखे जाएंगे. जिसमें पहला प्रस्ताव होगा, बांग्लादेश के बारे में भूमिका और दूसरा प्रस्ताव होगा कि संघ की 100 वर्ष की यात्रा और आगामी योजना के बारे में चर्चा होगी.

कंपनी की गाड़ी में लगी आग

पुणे. पुणे में बड़ा हादसा हो गया. यहां पिंपरी-चिंचवाड़ हिंजेवाड़ी इलाके में एक टेम्पो ट्रैवलर में आग लग गई, जिसमें चार इंजीनियरों की जलकर मौत हो गई. हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना से हड़कंप मच गया. इस टेम्पो में व्योमा ग्राफिक्स कंपनी के 12 कर्मचारी सवार थे. हालांकि, बताया गया है कि कर्मचारी टेम्पो के अंदर फंस गए थे, जिससे वह हादसे का शिकार हो गए.

मिली जानकारी के अनुसार, टेम्पो ट्रैवलर में व्योमा ग्राफिक्स कंपनी के 12 कर्मचारी सवार थे. तभी हिंजेवाड़ी फेज वन में गाड़ी में ड्राइवर के पास अचानक आग लग गई. इस पर ड्राइवर और आगे का स्टाफ तुरंत नीचे उतर गया. लेकिन टेम्पो के पीछे का दरवाजा न खुलने के कारण

पीछे बैठे लोग आग की चपेट में आ गए. इनमें चार लोगों की जलकर मौत हो गई.

हिंजवडी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर फेज 1 रोड पर व्योमा ग्राफिक्स कंपनी की टेम्पो ट्रैवल एमएच 14 सीडब्ल्यू 3548 बस में अचानक आग लग गई. टेम्पो में 12 लोग सवार थे, इनमें से 4 की मौत हो गई. व्योमा प्रिंटिंग प्रेस की बस तमन्ना सर्किल से रेजवान की ओर जा रही थी. अचानक बस में आगे लगने से हड़कंप मच गया. आग की लपटों को देख बस चालक बाहर कूद गया.

यह घटना सुबह करीब आठ बजे घटी. बस में कुल 15 लोग सवार थे. आगे बैठे लोग तुरंत नीचे कूद गए और बच गए. पीछे बैठे लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह बंद था और वह बाहर न निकल सके. इनमें में चार कर्मचारी आग से जलने से मौत हो गई.

जानकारी सामने आ रही है कि ये चारों मृतक इंजीनियर थे. वहीं, हादसे में घायलों को इलाज के लिए रूबी हॉल क्लिनिक अस्पताल भेजा गया है.मृतकों की पहचान सुभाष भोसले (42), शंकर शिंदे (60), गुरुदास लोकरे (40) और राजू चव्हाण (40) के रूप में हुई है, जो सभी पुणे के निवासी हैं.

नागपुर हिंसा के बाद साइबर पुलिस सख्त

छत्रपति संभाजीनगर. औरंगजेब कब्र विवाद के बाद छत्रपति संभाजीनगर शहर की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने पर आठ मामले दर्ज किए गए हैं. वहीं साइबर पुलिस ने सोशल मीडिया पर कुल 506 आपत्तिजनक पोस्ट हटाए. साथ ही वॉट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया पर पुलिस साइबर गश्त कर रही है. यदि किसी वॉट्सएप ग्रुप पर कोई आपत्तिजनक पोस्ट डाली जाती है तो ग्रुप एडमिन को भी आपराधिक रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा. राज्य के नागपुर में मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कुछ पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

मंगलसूत्र चुराने वाले ने पति को उतारा मौत के घाट

अकोला. पत्नी के गले से मंगलसूत्र चुराने वाले चोर का पीछा करना पति के लिए जानलेवा साबित हो गया. मंगलसूत्र चोर ने न सिर्फ पीछा कर रहे पति की बुरी तरह पिटाई की, जिससे उसके सिर में चोट आई, बल्कि उसके चेहरे पर भी वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. इतना ही नहीं, चोर ने उसे पीट-पीटकर मार डाला. यह पूरी घटना अकोला रेलवे स्टेशन के पास घटी. अकोला रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर जब एक कपल ट्रेन से उतर रहा था, तभी एक चोर ने महिला के गले से मंगलसूत्र छीन लिया और भाग गया. यह देख महिला के पति ने मंगलसूत्र चोर का पीछा करना शुरू कर दिया. इस दौरान महिला के पति ने चोर के पीछे करीब 800 से 900 मीटर तक दौड़ लगाई और मंगलसूत्र चोर को पकड़ लिया गया, लेकिन चोर ने महिला के पति पर ही हमला कर दिया.

उसने महिला के पति के सिर और चेहरे पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. इस घटना में घायल हुए पति हेमंत गावंडे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. इस पूरी घटना के बाद उस महिला का रो-रोकर बुरा हाल हो गया. पुलिस ने गंभीरता से मामले की जांच शुरू की और आरोपी की सीसीटीवी फुटेज भी हासिल कर ली है. पुलिस ने घटना के महज 24 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसका नाम परमार है और वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है, जिसे अब पुलिस ने पकड़ लिया है और जेल में डाल दिया है. ये घटना 16 मार्च को रात 9 बजे घटी, जब हेमंत गावंडे और उनकी पत्नी अकोट से अकोला के लिए ट्रेन से निकले. रात करीब सवा नौ बजे ट्रेन अकोला रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंची और जब गावंडे कपल ट्रेन से उतर रहे थे.

फिल्म उद्योग को 'क्रैश कोर्स' करना चाहिए: अभिनेता पीयूष मिश्रा

पुणे. 'नाटककार हमेशा कहते हैं कि उन्हें भुगतान नहीं मिलता।' लेकिन, नाटक हमेशा बिना पैसे के बेहतर रहेगा। अगर आपको पैसे मिल गए तो यह अच्छा नाटक नहीं होगा। वरिष्ठ अभिनेता, कवि और गायक पीयूष मिश्रा ने मंगलवार को फिरोदिया ट्रॉफी प्रतियोगिता के विजेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा, "छात्रों ने साबित कर दिया कि बिना पैसे के भी अच्छे नाटक किए जा सकते हैं।" वहीं, फिल्म उद्योग भी रो रहा है क्योंकि उसे अच्छी कहानियां नहीं मिल रही हैं। हालांकि, फिल्म उद्योग को फिरोदिया ट्रॉफी प्रतियोगिता पर एक 'क्रैश कोर्स' कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "आपको यहां अच्छी कहानियां मिलेंगी, आप सीखेंगे कि कम पैसे में फिल्में कैसे बनाई जाती हैं।" सामाजिक-आर्थिक विकास संस्थान, स्वप्नभूमि द्वारा आयोजित फिरोदिया ट्रॉफी विविध योग्यता प्रदर्शन प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह मिश्रा द्वारा गणेश कला क्रीड़ा केंद्र में आयोजित किया गया। वे उस समय बात कर रहे थे। प्रतियोगिता के संस्थापक एचसीएल फाउंडेशन के सूर्यकांत कुलकर्णी, अजिंक्य फिरोदिया, डॉ. इस अवसर पर निधि पुंढीर व अन्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में गायिका प्रियंका बर्वे और अभिनेता ओम भूतकर को सम्मानित किया गया। मिश्रा ने कहा, 'मैं पिछले 45 वर्षों से नाटक कर रहा हूं। मैं पिछले 20 सालों से पैसा कमाने के लिए फिल्मों में काम कर रहा हूं। मुझे अब तक बहुत मेहनत करनी पड़ी है। छात्र बिना ज्यादा सुविधाओं के भी इतना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो अगर उन्हें सुविधाएं मिल जाएं तो वे क्या करेंगे? छात्रों का प्रदर्शन देखकर मुझे राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के दिन याद आ गए। यह प्रतियोगिता एनएसडी के छात्रों को भी दिखाई जानी चाहिए।'

शिवसेना के प्रमुख नेता बीजेपी में शामिल

जलगांव.

राज्य की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है. एक ओर मुंबई में बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे एड़ी-चोटी का बल लगा रहे हैं तो दूसरी तरफ उनकी पार्टी को नेता छोड़कर जा रहे हैं.

जलगांव के एरंडोल में तीन पूर्व नगराध्यक्ष, पंचायत समिति के दो पूर्व सभापति सहित अन्य पदाधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को जॉइन कर लिया है. दरअसल शिवसेना (ठाकरे गुट) के उपजिल्हा प्रमुख दशरथ महाजन, पूर्व नगराध्यक्ष किशोर निंबालकर, राजेंद्र चौधरी, पूर्व उपनगराध्यक्ष और पूर्व नगरसेवकों ने बीजेपी जॉइन कर लिया. मुंबई स्थित बीजेपी कार्यालय में मंत्री गिरीश महाजन

और कार्याध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में जॉइनिंग समारोह संपन्न हुआ. एरंडोल विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले भगवान महाजन ने भी बीजेपी में प्रवेश किया.

उपजिल्हा प्रमुख दशरथ महाजन सहित पदाधिकारियों के भाजपा में शामिल होने से शिवसेना (ठाकरे गुट) को बड़ा झटका लगा. विधानसभा चुनावों के बाद ठाकरे गुट के कई प्रमुख पदाधिकारियों के बीजेपी में शामिल होने से तालुका में राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं. स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों की पृष्ठभूमि में इस प्रवेश को काफी महत्व दिया जा रहा है. गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में उद्धव ठाकरे की शिवसेना का प्रदर्शन काफी खराब रहा. अब महानगर पालिका चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे को फिर बड़ा झटका लगा है. अब चर्चा चल रही है कि चुनाव तक कई नेता बीजेपी जॉइन कर सकते हैं.

पांच पार्षदों ने जॉइन किया बीजेपी

इससे पहले जनवरी में उद्धव ठाकरे के पांच पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए थे. जिनमें विशाल धनवाड़े, पल्लवी जावले, प्राची अलहट, संगीता तोसर और बाला ओसवाल. इसको लकेर धनवाड़े और ओसवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट भी किया है.

PAPER PUBLICATION
UNDER ORDER 5 RULE 20 OF CPC Pro. No. 4752 Dt. 15/03/25
SHOW CAUSE NOTICE (Form No. Gen 111)
IN THE COURT OF 2nd JOINT CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION NAGPUR. Room No. 606
Succession No. 131/2021 Fixed For : 26/03/2025
Applicant : Suman Ganpatrao Kirnapure -Versus-
Non-Applicant : Sushma Vinod Kirnapure
To,
Sushma Vinod Kirnapure, R/o Plot No. 95, Jaymatadi Nagar, Indian Modern School, Koradi, Nagpur.
Whereas the above-named **Applicant has made Application Under Section 372 of Indian Succession Act For Grant of Succession Certificate** you are hereby warned to appear in this Court in person or by a pleader duly instructed on the **26/03/2025** at 11.00 O'clock in the forenoon, to show cause against the application, failing wherein the said application will be heard and determined ex-parte.
Also take notice that in default of your filing an address for service on or before the date mentioned you are liable to have your defense struck out.
Given under my hand and the seal of the court, that **15th day of March., 2025.**
Seal By order of the Court Sd/- Asstt. Supdt. (T.W.) Court of Civil Judge Sr.Dn., Nagpur
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 2282 Dt. 06/03/25
IN THE COURT OF JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 416-A
M.J.C. Case No. 157/2025
Fixed For 07/04/2025
Applicant : 1) Shri Prashant Prema Patil, 2) Shri Pavan Prema Patil, 3) Smt Shanta Prema Patil, 4) Smt Priti Prakash Dongre. --Versus--
Non-Applicants : Nil
Name of Deceased : 1) Vithobaji Patil, Died On: 12/09/1978, 2) Subhadrabai Vithoba Patil, Died On: 08/08/1994, 3) Prema Vithoba Patil, Died On: 14/09/2002, All R/o Near Binaki Buddha Vihar Binaki Sonar Toli, Dr. Ambedkar Marg Nagpur-440017.
Whereas **1) Vithobaji Patil, Died On: 12/09/1978, 2) Subhadrabai Vithoba Patil, Died On: 08/08/1994, 3) Prema Vithoba Patil, Died On: 14/09/2002,** All R/o Near Binaki Buddha Vihar Binaki Sonar Toli, Dr. Ambedkar Marg Nagpur-440017. and Whereas **Shri Prashant Prema Patil & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Shri Prashant Prema Patil & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **7th Day of April, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.
Given under my hand and the seal of the court, that **6th day of March, 2025.**
Seal By order of the Court Asstt. Supdt. (T.W.) Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.
Prasanna Publicity 09326927622

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

Sabri
Professional DJ & Live Audio Sound Service
:: Booking Show ::
Qawwali, Ghazal. Sugam Sangeet, Jagran, Orchestra, Sufi Night, Celebrity Show, Govt. Meeting, School & College Gatherings, Wedding, Party Shows, Event & All Festival Planings, Trust, Lights, LED Wall.
M. 9503066685
Kharbi Chowk, Nagpur.

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietior
AU Avani Udyog
(MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
Vocal Classical Singing
Light Music (with Karaoke)
Zumba
Yoga
Crochet
Macrame
Drawing
Paper Crafts
<: Contact :>
Mob - 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईंडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY
Talkative Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
> STUDENTS > TEACHERS > HOUSEWIVES > JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईन्साइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक दिमणकर

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅंड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।
विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक
मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

महाराष्ट्र शासन
कार्यकारी अभियंता
सार्वजनीक बांधकाम विभाग क्र. १
ई मेल : divinagpur.ee@mahapwd.com.
ई निविदा सुचना क्र. एस /११२/२०२४ २०२५ (दुसरी वेळा)
कार्यालयीन दूरध्वनी क्र. २५६५१०८/२५६०६५२ ई-मेल : dirinf.advt@gmail.com
जावक क्र/नाग/संमावज.जाहिरात/२०२५/ 616 दिनांक: १८/०३/२०२५
कार्यकारी अभियंता सा. बां. विभाग क्र १ नागपूर हे अनुभवी व महाराष्ट्र अस्थापनेच्या नोंदणीचा दाखला असलेल्या एजन्सीकडून खालील कामाकरीता ई निविदा प्रणालीद्वारे ऑफलाईन) विहीत नमुन्यामध्ये (बाबवार दर) निविदा मागवित आहेत. निवदा कागदपत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर https://mahapwd.gov.in येथून डाउनलोड करण्यात यावी. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

Sr. No.	Name of Work	Estt. cost (Rs. in lakhs)	Cost of blank tender form
1	PROVIDING HOUSEKEEPING, MANPOWER AND SECURITY GUARD SERVICE AT ADMINISTRATIVE BUILDING NO.1, NAGPUR (FOR 4 MONTHS) (2ND CALL)	36.00	590.00
2	PROVIDIGN HOUSEKEEPING, MANPOWER AND SECURITY GUARD SERVICE AT DIVISIONAL COMMISSIONER OFFICE, NAGPUR (FOR 4 MONTHS) (2ND CALL)	29.00	590.00

१) या कामाची निविदा माहीतो https://mahapwd.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे. सदर निविदा सुचनेची प्रत या कार्यालयातील सुचना फलकावर पहायला मिळेल.
२) निविदेच्या अटी / शर्ती. प्रारूपात दर्शविल्याप्रमाणे राहील.
३) या निविदा सुचनेत काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईटवरती शुध्दीपत्रक प्रकाशित होईल.
४) कोणतेही कारण न दर्शवता अंशतः किंवा संपूर्ण निविदा रद्द अथवा फेरफार करण्याचा अधिकार सक्षम अधिकाऱ्याने राखून ठेवलेला आहे.
जावक क्र. ३३६२ दि. १७/०३/२५
क. संमावज/नाग/860 /2025
कार्यकारी अभियंता
सार्वजनीक बांधकाम विभाग क्र. १
नागपूर

सुविचार

जीवन का एक ही नियम है जो भाग्य में है वो भाग कर आएगा और जो भाग्य में नहीं है वो आकर भी भाग जाएगा.

संपादकीय

राजनेताओं की जिम्मेदारी

नागपुर

महाराष्ट्र का नागपुर शहर सोमवार को जिस तरह की हिंसा के दृश्यों का गवाह बना, वह इस बात का खतरनाक संकेत है कि अतीत से जुड़े द्वेषपूर्ण विमर्श देश को किस तरह की त्रासद स्थितियों में झोंक सकते हैं। प्रदेश में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर पिछले कई दिनों से दिए जा रहे बयान न केवल गैरजरूरी, बल्कि लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण विकास की उस राह में रोड़े खड़े करने वाले हैं, जिस पर आजादी के बाद से देश ने लंबा सफर तय किया है। इसमें दो राय नहीं नागपुर में हुई घटनाएं पहली नजर में कानून-व्यवस्था से जुड़े तंत्र की नाकामी की ओर इशारा करती हैं। जिस तनावपूर्ण माहौल में दक्षिणपंथी संगठनों ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन आयोजित किए, उसने मामले को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे माहौल में अफवाहों का बाजार गर्म हो ही जाता है। उनसे निपटने की जैसी तैयारी पुलिस और प्रशासन की होनी चाहिए थी, वह जाहिर तौर पर नहीं थी। यह सही है कि शांति व्यवस्था कायम रखने की जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की होती है, लेकिन राजनीति उससे पूरी तरह पल्ला नहीं झाड़ सकती। ऐसा नहीं हो सकता कि आप आग लगाने वाले बयान जारी करते रहें और आग लगने के बाद सारा दोष प्रशासन के मत्थे मढ़ दें। मौजूदा मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता समझदारी और संवेदनशीलता का परिचय नहीं दे सके। वहीं, अतीत के सवालों को जिस आक्रामक तरीके से उठाया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि इतिहास की कब्र में दफन मुर्दे उखाड़ना आज की राजनीति के लिए मौजूदा चुनौतियों से निपटने से ज्यादा जरूरी हो गया है। दरअसल, ऐतिहासिक प्रतीकों पर सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करना होगा। इस बात की परवाह किए बगैर कि उससे उनकी सियासत पर क्या असर होता है। यह बात भी याद रखनी चाहिए कि हिंसा-अस्थिरता के माहौल में निवेशक पीछे हट जाते हैं, जिससे विकास गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है। राजनीतिक दलों को वक्त रहते इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि उनके तौर-तरीके देश और समाज को किस तरफ ले जा रहे हैं। वोट हासिल करना उनके अस्तित्व की सार्थकता का सिर्फ एक पहलू है। उन्हें जनकल्याण की ज्यादा बड़ी कसौटियों पर भी खुद को और अपनी नीतियों को कसना है।

व्यंग्य

बेशर्ममेव जयते

कुछ आदमी प्रायः आदमी न होकर मोमजामे हो जाते हैं. इनको नेता कहते हैं. कुछ इससे भी आगे बढ़ जाते हैं. इन पर धूप, हवा, पानी, आग, सत्य, न्याय, नैतिकता, ईमानदारी, करुणा, दया – किसी का भी असर नहीं पड़ता है. ये अपने लिए जीते हैं और दूसरों को विवश करते हैं कि वे भी इनके लिए जिएँ. ऐसे लोगों से खुदा भी डरता है. ये कपड़े उतारने में बहुत सहूलियत महसूस करते हैं. कपड़े ये अपने ही उतारते हैं और शर्म दूसरों को आ जाती है. ऐसे सम्माननीय सज्जनों को 'बेशर्म' कहते हैं. शर्मदार लोग बेशर्मों से निरंतर पराजित होते रहे हैं. जो जितना बड़ा बेशर्म बना, उसने उतनी ही बड़ी विजय हासिल की.बेचारा दुर्योधन शर्म में मारा गया. गांधारी के सामने बेशर्म नहीं हो सका. बेशर्म हो जाता तो भीम से पराजित न होता, इतिहास बदल जाता. और दूसरी ओर पांडव महाभारत के युद्ध में निरंतर अपने कपड़े उतारते रहे. भीष्म पितामह के पास जाकर उनसे उनकी मृत्यु का रहस्य पूछ आए. द्रोणाचार्य को असत्य बोलकर शर्मिंदा किया और स्वयं बेशर्मी से उनकी हत्या कर दी. कर्ण की बेशर्मी से हत्या की और स्वयं विजयी भाव से मुसकराए. पांडवजन युद्ध में कई बार बेशर्म हुए पर दुर्योधन एक बार भी नहीं हो सका. धर्म-युद्ध को धर्म-युद्ध की तरह लड़ता रहा.एक दिन बस-स्टाप पर एक युवक लड़की से छेड़ छाड़ कर रहा था. उसकी उम्र में यह छेड़छाड़ मुझे भी अच्छी लगती थी परन्तु जब से अध्यापक बना हूँ, नैतिकता ने मुझे बाँध दिया है. "इस देश में साले बुजुर्गों को शर्म नहीं आ रही है. मैं तो अभी बच्चा हूँ. ये पूरे देश के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं, उन्हें तो कोई कुछ कहता नहीं, हमें शर्मिंदा करने पर तुले हुए हैं. जो लोग पूरे देश के कपड़े उतार कर विदेशी बैंकों में रखते जा रहे हैं, उन्हें कोई नहीं टोकता. बरसों से देश की दलाली खा रहे हैं. थू... !मैंने अपना मुंह साफ किया और गर्दन झुका ली. उसने गर्व से लड़की को छेड़ा और गर्दन उठा ली!हमारे मोहल्ले में दो सम्माननीय व्यक्ति हैं. एक की लड़की भाग गई है और दूसरा शराब पीकर अपनी पत्नी को पीटता है. दोनों से उलझने का कोई साहस नहीं करता. रोज मोहल्ले की नींद खराब होती है, अमन चैन में खलल पड़ता है. एक दिन मैं साहस कर बैठा. मैंने उनसे कहा, "आपको शर्म नहीं आती?

ज्ञान

सुनीता विलियम्स को सला

9 महीने में अंतरिक्ष में किए कई रिकॉर्ड

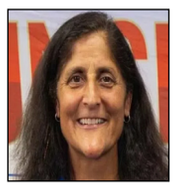

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स वापस लौट कर एक बार फिर इतिहास रचने जा रही हैं. विलियम्स ने आपदा को जिस तरह से अवसर बनाया, वो भी प्रेरणादायी है. एक छोटे मिशन के तहत मात्र 8 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाली विलियम्स को एक तकनीकी खराबी के कारण करीब 9 महीने तक वहां रहना पड़ा. इस मुसीबत के समय भी वो घबराई नहीं, बल्कि इस दौरान कई नए कीर्तिमान स्थापित किए, जिनमें महिला अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा सबसे अधिक स्पेसवॉक का रिकॉर्ड भी शामिल है. उनकी यह उपलब्धि न केवल अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में, बल्कि भारत समेत पूरी दुनिया में गर्व का विषय बनी हुई है. सुनीता विलियम्स ने 5 जून 2024 को नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विलमोर के साथ बोइंग स्टारलाइनर के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा शुरू की थी. उनका मिशन केवल आठ दिनों का था, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते स्टारलाइनर को वापस पृथ्वी पर लाने का फैसला बदलना पड़ा और विलियम्स को आईएसएस पर रुकना पड़ा. इस दौरान वे एक्सपीडिशन 71/72 अभियान का हिस्सा बनीं और वैज्ञानिक रिसर्च में महत्वपूर्ण योगदान दिया. नासा के अनुसार, उन्होंने 4500 से ज्यादा क्लासेस पूरी कीं और अंतरिक्ष में 121 मिलियन मील से अधिक की दूरी भी तय की. अंतरिक्ष में रहने के दौरान विलियम्स ने कई और महत्वपूर्ण काम भी किए. उन्होंने कुल 50 घंटे और 40 मिनट तक स्पेसवॉक किया, जो महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक नया रिकॉर्ड था. इसके अलावा, उन्होंने आईएसएस पर कई वैज्ञानिक प्रयोगों में भाग लिया, जिनमें जैव चिकित्सा अनुसंधान, पर्यावरणीय अध्ययन और तकनीकी परीक्षण शामिल थे. उनके इस योगदान को देखते हुए उन्हें अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक बार फिर नायक की तरह सराहा जा रहा है.

पवित्र महीना 'माहे रमज़ान' विशेष

तहज्जुद और तपस्या से फ़ायदा ही फ़ायदा

तहज्जुद के सिलसिले में कुछ रहनुमाई बातें, तपस्या ताकतवर बनाती है

डॉ. मोहिउद्दीन ग़ाज़ी

पिछले अंक से आगे "तहज्जुद के सिलसिले में कुछ रहनुमा बातें" के तहत यह अर्ज़ है कि रात की इबादत अंधेरे में होनी चाहिए। रौशनी और विशेष रूप से तेज़ रौशनी खुशुअ् (भक्ति भाव) की राह में हिजाब बन जाती है। बिजली के कुमकुमों का रूहानी तजल्लियात के साथ इज्तिमा करना बहुत मुश्किल है। नमाज़ व्यक्तिगत हो, एकांत में हो और आवाज़ हल्की बुलंद हो। न बिल्कुल ऐसी कि खुदू को सुनाई न दे और न ही बिल्कुल बुलंद, हल्की गुनगुनाहट सी हो। रात की नमाज़ के बारे में हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने एक बार हज़रत अबू बक्र सिद्दीक़ (रज़ी.) को हिदायत दी कि आवाज़ कुछ बुलंद रखें और हज़रत उमर (रजी.) को हिदायत दी कि आवाज़ कुछ पस्त रखें। क़याम, रुकूअ और सज्दे खूब लम्बे हों। क़याम के दौरान लम्बी सूरतों की तिलावत करें, नहीं याद हों तो एक ही रकअत में कई छोटी-छोटी सूरतों की तिलावत करें और अगर वो भी न याद हों तो एक-दो सूरतों को ही बार-बार पढ़ें। रुकूअ और सज्दे की हालत में तस्बीह बार-बार पढ़नी चाहिए, तीन या सात की क़ैद ज़रूरी नहीं है। सज्दे की हालत में तस्बीह के अलावा दुआएं भी खूब मांगीं जाएं। एक-एक दुआ को बार-बार दोहराया जाए। कभी-कभी आम लोगों को उलझन होती है कि लम्बी नमाज़ें किस तरह पढ़ें! नीचे दिए गए मशवरे इस बारे में कारगर साबित होंगे। क़यामुल ल-लैल के आमाल में नमाज़, तिलावते कलामे पाक, ज़िक्र, दुआ व ग़ौर ओ तदब्बुर सब शामिल हैं। ताहम नमाज़ अफ़ज़ल तरीन और जामेअ तरीन अमल है।

इसके बगैर क़यामुल- लैल का तसव्वुर ही नहीं। तपस्या से ताक़तवर बनाता है, तपस्या, ज़मुजाहिदा हमारी तरबियती ज़रूरत है। ये हमें हमारी कमज़ोरियों से निकाल कर हमे हमारी हक़ीक़ी क़व्वतों से हमकिनार करता है। इसे यूं समझना चाहिए कि इंसान की ज़िंदगी का आगाज़ आराम से होता है। मां के पेट से लेकर बचपन पूरा होने तक वह कई साल हर ज़िम्मेदारी और हुक्म की तामील से बेपरवाह होकर गुज़ारता है। फिर एक वक़्त वह आता है जब उसपर इताअत ओ बंदगी के हुक्म लागू होते हैं। बंदगी ऐसी जो पूरी ज़िन्दगी पर हावी हो और इबादत ऐसी जिसकी हर मंज़िल नई मंज़िल की राह दिखाती हो। क़दम-कदम पर उससे यह मतालिबा हो कि वह आराम की कुछ साअतें कुरबान करके अल्लाह के हूज़ूर बंदगी का नज़राना पेश करे। लज़्ज़तों से कुछ वक़्त के लिए ख़ुदा की ख़ातिर परहेज करे। चाहें सुबह की नींद का तक़ाज़ा कुछ हो, दोपहर की धूप कुछ कहे, रात का अंधेरा कुछ समझाए मगर "हय्या-अल्लस्सलाह की पुकार पर लब्बैक ज़रूरी और फिर फ़र्ज नमाज़ों और फ़र्ज़ रोज़ों से आगे बढ़कर नफ़िल रोज़ों की फ़ज़ीलत और रातों को उठकर तहज्जुद गुज़ारी और सहर गुज़ारी की बेपनाह अहमियत, आराम और लज़्ज़त का आदी शख़्स इस राहे शौक पर कैसे चले? अल्लाह के एक नेक बन्दे ने तपस्या, मुजाहिदा-ए-नफ़्स के सिलसिले में अपने तजुर्बे को कुछ इस तरह बयान किया: "मैंने रात में तहज्जुद पढ़ने का फैसला किया। शुरू में नफ़्स के साथ काफ़ी कशमकश करना पड़ी, नींद की लज़्ज़त और आराम का ख़्याल बार-बार दिल पर हमलावर होता, रह-रहकर झपकी भी आती लेकिन मैंने अपने नफ़्स के साथ सख़्त रवैया अख़्तियार किया, एक साल तक मैं रातों को नमाज़ पढ़ने के लिए अपने नफ़्स से लड़ता रहा, एक साल, पूरे एक साल के बाद नफ़्स क़ाबू में आया और इस तपस्या, मुजाहिदे के नतीजे में मुझे चालीस साल तक क़यामचल-लैल की लज़्ज़त ओ हलावत हासिल हुई।" आराम की लज़्ज़त के तिलिस्म को तोड़कर, इबादत की लज़्ज़त से आशना होने के लिए नफ़्स के साथ एक बार तो महाज़ आराई करनी ही पड़ती है। और जब इंसान इबादत की लज़्ज़त से हमकिनार हो जाता है तो फिर उसको उसी में मज़ा आता है। सुलेमान तमीमी ने बड़े पते की बात कही है - "आंखें तो सोती भी हैं और जागती भी हैं।

जागने का आदी बनाओगे तो जागने की आदी बन जाएंगी, सोने का आदी बनाओगे तो उसी की आदी बन जाएंगी।" इंसान अपनी इब्तिदाई उम्र में तो नींद का ही आदी होता है। इस आदत को तोड़कर नई आदत बनाने के लिए मुजाहिदे , तपस्या के कुछ घंट तो पीने ही पड़ेंगे। इसके बगैर चारा कहां? शेख अज़्ज़ाम ने तो मुजाहिदे नफ़्स का पूरा फ़लसफ़ा ही बड़े ही दिलकश अंदाज़ में बयान कर दिया। वो लिखते हैं कि "नफ़्स मामूली कामों की तरफ आकर्षित होता है। आराम को पसंद करता है, हमेशा आसानी को तरजीह देता है, लेकिन इसके बावजूद नफ़्स बुलंदी पर जाने का रूझान भी रखता है। उसके अंदर विकास की तलब भी होती है। महानता का शौक़ और बड़े-बड़े काम अंजाम देने का सौदा भी होता है। उसके अंदर अंगार होता है, मगर राख में दबा हुआ। शोला बनने की सलाहियत होती है, मगर जबकि माचिस की तीली दिखाई जाए। तो अगर उसके अंदर छिपी हुई आग को हवा दी जाए और शोला-ए-ख़्वाबीदा को भड़का दिया जाए तो वह बेदार हो जाता है, उल्लास उसमें अंगड़ाईयां लेता है, संघर्ष व अमल की अंगीठी दहकने लगती है और फिर वो उड़ान भरने का इच्छुक हो जाता है। बुलंदी और अमल की लज़्ज़त उसे जिस क़दर मिलती जाती है, उस क़दर अमल और बुलंदी से मुहब्बत भी बढ़ती जाती है। गरज नफ़्स का मुजाहिदा, स्ट्रगल, तकिया-ए-नफ़्स (आत्मा की शुद्धि) का पहला मरहला (चरण) है जिससे गुज़र जाने के बाद तकिया नफ़्स का अमल बेहद आसान, बेइंतिहा लज़ीज़ और आनंदमयी बन जाता है। क्या आने वाले माहे-रमज़ान को मुजाहिदा नफ़्स का ख़ास रंग दे कर हम जिंदगी के कुछ अनोखे तजुर्बे करने पर आमादा हैं। मुजाहिदा नफ़्स के लिए माहे-रमज़ान से बेहतर और क्या मौक़ा हो सकता है।

कविता

संदीप शर्मा

गौरैया

मेरे अंतस में
हरा-भरा जंगल है
थोड़ी-सी छाँह है गौरैया के लिए
जहाँ बैठकर
म्याऊँ-म्याऊँ बोलेगी गौरैया...
मुझे चिड़िया से प्रेम है...
मेरे हृदय के
अलिन्द निलय में
कविता का मुट्ठी भर आकाश है
जहाँ पंख झनझनाकर
उड़ सकेगी - एकांत में गौरैया.....
मै-गौरैया हूँ
नीली गौरैया.... मेरी-
प्रार्थना में गौरैया है.....
वांछित मेरा अवतरण सफल हो... ।

प्रेरक आलेख

दीपक आचार्य

खुल गईं मुट्ठियां

इंसान जब जन्म लेता है तब मुट्ठियाँ बंद होती हैं फिर भी सारा जहाँ उसे प्यार करता है, ममत्व और वात्सल्य से नहलाता है और उस पर इतना कुछ लुटाता है कि जिसका कोई पार नहीं होता। जब तक अपनी मुट्ठियाँ बंद होती हैं तब तक हमें जमाने भर का भरपूर प्यार मिलता है। यह बंद मुट्ठी का कमाल ही है कि बच्चों के बारे में कहा जाता है कि बच्चे मन के सच्चे होते हैं, बच्चे भगवान का रूप होते हैं और बच्चों में भगवान बसता है।

बालपन वह अवस्था है जिसमें हम संसार की माया और दूसरे सभी प्रकार के विकारों से परे रहते हैं और यही कारण है कि हम शुद्ध, शुचितापूर्ण एवं कोमल हृदय वाले होते हैं और यही निर्मलता हमें ईश्वरीय धाराओं के समकक्ष स्वरूप व दर्जा प्रदान करती है।बच्चों का मन निर्मल और कोमल होता है और इस वजह से संसार भर में बच्चे आकर्षण, प्यार और आत्मीयता का केन्द्र बने रहते हैं चाहे वह किसी भी वर्ग के इंसान के हों अथवा अन्य प्राणियों के।बच्चों के प्रति सर्वत्र एक अजीब सा मोहपाश होता है जिसके मारे हम उन्हें भरपूर प्यार देते हैं और उन्हें अपना मानकर संरक्षण भी करते हैं, उनके पल्लवन के प्रति भी हर क्षण सजग और समर्पित होते हैं।

कहा भी जाता है कि बाल सुलभ स्वभाव होना अपने आप में ईश्वरीय वरदान है तथा हर मनुष्य के लिए यही ध्येय होना चाहिए कि वह बच्चों की तरह निश्छल, निष्कपट और निरहंकारी भाव रखे जहाँ संसार के समस्त प्राणी और वस्तुएं प्रिय होती हैं और सभी के प्रति आत्मीयता और माधुर्य भरा भाव होना चाहिए।चित्त की निर्मलता ही है कि बच्चों के प्रति सभी का व्यवहार मधुरतापूर्ण होता है और उसे सभी पसंद करते हैं।

सद्यः प्रसूत होने से लेकर शैशव काल तक यह बंद मुट्ठियाँ प्रकारान्तर रूप में इस बात को भी संकेतित करती है कि जीवात्मा परमात्मा की शपथ लेकर मुट्ठी बंद करके इन संकल्पों के साथ जन्म लेता है कि वह मनुष्य जीवन में श्रेष्ठतम कर्मों के माध्यम से अपना नाम करेगा, दुनिया के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और ऐसा काम करेगा कि भगवान को भी गर्व होगा कि उसके द्वारा भेजे गए प्रतिनिधि ने ऐसा काम करके दिखा दिया है कि जिससे पूरी सृष्टि उपकृत हुई है।पर जैसे-जैसे संसार की माया और परिवेशीय आडम्बरों के संपर्क में आता है उसकी शुचिता का ग्राफ कम होता जाता है और निर्मलता का स्थान ले लेती हैं वे बुराइयां जिनकी वजह से व्यक्तित्व में मौलिकता की गंध गायब होने लगती है और उसका स्थान कृत्रिमता ले लेती है।

जिन संकल्पों को लेकर इंसान पैदा होता है, बचपन के बाद वह सब भूल जाता है और दूसरी प्रकार की गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। उस अवस्था में उसके लिए अब तक लिए गए संकल्प गौण हो जाते हैं और संकल्पों की सुदृढ़ मुट्ठी खुलकर हथेली सपाट हो जाती है। बस यहीं से आरंभ हो जाती है हाथ की तमाम कलाएं और करतब।

विश्व गौरैया दिवस

गौरैया को बचाना हमारी जिम्मेदारी

मां गौरैया का नाम लेकर घास खिलाती थी, आज गौरैया को बचाना हमारी जिम्मेदारी है।

रमेश कृष्णराव लांजेवार

विश्व गौरैया दिवस मनाते समय सभी को गौरैया और सभी जानवरों को बचाने का प्रयास करना चाहिए। पेड़ लगाए जाने चाहिए क्योंकि गौरैया के पास रहने के लिए कोई घोंसला नहीं है। गर्मियों में गौरैया को पानी के लिए जंगल में भटकना पड़ता है। इसलिए अब से जहाँ भी गौरैया आ सकती हैं, वहाँ आप अपने घर की दीवार पर या किसी बर्तन में पानी का एक कटोरा अवश्य रखें और साथ ही उनके खाने के लिए चावल के दाने या भोजन भी अवश्य रखें। क्योंकि गौरैया को वाकई हमारी ज़रूरत है। वरना इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जो गौरैया दिखती हैं, वे भी गायब हो जाएँ। क्योंकि दिन-ब-दिन गौरैया और दूसरे पक्षियों की संख्या घटती जा रही है। गौरैया ने हमारी मानव जाति के लिए बहुत बड़ी सेवा की है, जिसका हम कोई ऋण नहीं चुका सकते। लेकिन आज, बदलते समय और बदलते मौसम के कारण, उन्हें बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हम इससे निजात पाने के लिए अपना योगदान दे सकते हैं, इसलिए सभी को अपने स्तर पर इनके लिए पानी और भोजन की व्यवस्था करनी चाहिए। गौरैया की तरह ही निश्चित रूप से अनेक पक्षियों को पानी और भोजन का स्वाद मिलेगा और उनकी आयु बढ़ेगी तथा हर जगह गौरैया की चहचहाट देखने को मिलेगी। विश्व में गौरैया की घटती संख्या को देखते हुए विश्व भर के देशों ने गौरैया को बचाने के उद्देश्य से विश्व गौरैया दिवस मनाने की घोषणा की है।

इसके लिए 20 मार्च की तिथि निर्धारित की गई और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से 20 मार्च, 2010 को पहला विश्व गौरैया दिवस मनाया गया। गौरैया पूरे भारत में हर जगह पाई जाने वाली सबसे बड़ी संख्या वाली चिड़िया के रूप में जानी जाती है, जो दिल के करीब रहती है और हमेशा आँखों से दिखाई देती है। आज दुनिया में बदलते तापमान और जलवायु, परमाणु परीक्षण, बढ़ता औद्योगिकीकरण, मोबाइल टावर, बढ़ता शहरीकरण, वनों की कटाई, खेतों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग, जंगलों में आग लगना, ध्वनि प्रदूषण, आर्द्रभूमि का विनाश और दुनिया में युद्ध संबंधी स्थितियों के कारण गौरैया और अन्य पशु-पक्षियों का अस्तित्व अत्यंत कठिन हो गया है और वे खतरनाक स्थिति में हैं। इसके कारण कई पशु-पक्षी विलुप्त होने के कगार पर हैं। आज वनों की कटाई के कारण जंगल में रहने वाले पशु-पक्षी शहर की ओर भागते नजर आते हैं। यह पूरी स्थिति प्रकृति के क्षरण के कारण देखने को मिल रही है और मानव द्वारा अतिक्रमण के कारण पैदा हुई है। पहले घर फूस की छत और मिट्टी की दीवारों से बने होते थे, इसलिए गौरैया को कहीं न कहीं अपना घोंसला बनाना पड़ता था। क्योंकि फूस के घर और मिट्टी की दीवारें हमेशा ठंडी रहती थीं, इसलिए वे उनमें रहते थे। इसलिए हर घर में हमें गौरैया के घोंसले जरूर दिखते थे और गौरैया की मधुर चहचहाट सुनाई देती थी।

इससे हर कोई उनकी चहचहाट से तुरंत जान जाता था कि सुबह का समय क्या है और शाम का समय क्या है। लेकिन आज गौरैया की चहचहाट मानो विलुप्त हो गई है। आज गौरैया एक ऐसी विकट स्थिति में हैं जहाँ उन्हें अपना घोंसला बनाने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं मिल पाता है और उन्हें पानी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ता है। आज घरों के सीमेंटीकरण के कारण गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है। बढ़ते प्रदूषण और तापमान के कारण गौरैया और अन्य पशु-पक्षी हवा में खुलकर सांस भी नहीं ले पाते हैं। ऐसी कठिन और गंभीर स्थिति पशु-पक्षियों के सामने है। अगर चीन की बात करें तो 1958-62 के बीच चार कीट नियंत्रण अभियान चलाए गए, जिसमें सरकार ने फसलों को नष्ट करने वाले चार कीटों को खत्म करने का फैसला किया: चूहे, मक्खियाँ, मच्छर और गौरैया। इससे पता चलता है कि चीन में गौरैया लगभग विलुप्त हो चुकी है। इसलिए, इसका चीन के पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। इसके बाद पक्षी विशेषज्ञों ने अपने अध्ययन का निष्कर्ष यह बताते हुए निकाला कि गौरैया विश्व की पारिस्थितिकी के लिए आवश्यक है। दुनिया भर में गौरैया की 26 प्रजातियां दर्ज हैं, लेकिन इनमें से कई गौरैया प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। दुनिया में पक्षियों की 867 प्रजातियाँ हैं। लेकिन यह तथ्य कि पिछले पच्चीस वर्षों में पक्षियों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट आई है, बहुत गंभीर और चिंताजनक बात है। इसी तरह कीटभक्षी गौरैया की संख्या में कमी आना भी एक बहुत ही गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है। क्योंकि गौरैया की घटती संख्या का मुद्दा आम आदमी के दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। क्योंकि गौरैया फसलों पर गिरने वाले लार्वा और कीटों को खाती है, लेकिन गौरैया की घटती संख्या का फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

एक समय था जब गौरैया हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण पक्षी हुआ करती थी क्योंकि जब बच्चे खाने से ऊब जाते थे तो उनकी माँ या दादी गौरैया को जरूर याद करती थीं और बच्चे पेट भरकर खाना भी खाते थे। वे अपनी चोंच में भरकर कहती थीं, "चूं, चूं, आओ चारा खाओ, पानी पियो और उड़ जाओ।" इससे हमारा बचपन समृद्ध होता था। क्योंकि माँ और दादी गौरैया को और भी लाड़-प्यार करती थीं और दूसरे पक्षियों से परिचय कराती थीं। गौरैया ने हमें बहुत कुछ दिया है, इसलिए आज उन्हें हमसे सिर्फ पानी की उम्मीद है, जिसे हमें पूरा करना चाहिए। विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर भारत समेत दुनिया के सभी देशों को आज बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए। इससे मवेशियों के लिए चारा, पशु-पक्षियों के लिए घोंसले के स्थान और मनुष्यों को स्वच्छ हवा और ऑक्सीजन मिलने में बहुत मदद मिलेगी। इससे पर्यावरण बेहतर होगा, प्रकृति खिली-खिली रहेगी और हर जगह हरियाली नजर आएगी। आइये हम सब मिलकर गौरैया को बचाने का संकल्प लें। जय हिंद!

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

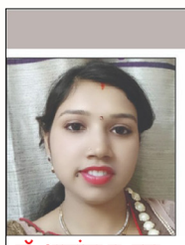
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

चंद्रपुर जिले को देश के पर्यटन मानचित्र पर लाएं : विधायक जोरगेवार

> पर्यटन विकास के लिए सभी विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित करने की मांग

चंद्रपुर, सुनील तायडे

पर्यटन सबसे बड़ा रोजगार सृजनकर्ता है और चंद्रपुर जिले में पर्यटन के अपार अवसर उपलब्ध हैं। यह जिला देश के मध्य में स्थित है और यहां किसी भी प्राकृतिक आपदा का खतरा नहीं है। यहां वन , ऐतिहासिक , धार्मिक और औद्योगिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए सभी संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित कर चंद्रपुर जिले को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाना चाहिए और देश के पर्यटन मानचित्र पर लाया जाना चाहिए। विधायक किशोर जोरगेवार ने सत्र में यह मांग की। मुंबई में चल रहे बजट सत्र में विधायक किशोर जोरगेवार ने मांग की कि चंद्रपुर जिले को पर्यटन केंद्र बनाया जाए। सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि चंद्रपुर जिले की ऐतिहासिक विरासत समृद्ध है। यहां पांच सौ साल पुराना महाकाली मंदिर है। यद्यपि इस मंदिर के विकास के लिए 250 करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत की गई है, लेकिन विकास योजना को मंजूरी नहीं दी गई है। इसलिए यह कार्य तत्काल पूरा किया जाना चाहिए।

हर साल लाखों पर्यटक ताडोबा अभयारण्य देखने आते हैं। हालाँकि , उन्हें जिले के अन्य पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। चंद्रपुर में बाघ सफारी के लिए 287 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं और यह सफारी 400 एकड़ भूमि पर शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी मांग की कि यह कार्य तुरंत शुरू किया जाए । चंद्रपुर में पवित्र दीक्षा भूमि के लिए 100 करोड़ रुपये की मांग की गई। इसमें से 56.9 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। उन्होंने सदन में मांग की कि शेष धनराशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए । चंद्रपुर औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। यहाँ बिजली संयंत्र , सीमेंट उद्योग , कागज कारखाने और कोयला खदानें हैं। विधायक किशोर जोरगेवार ने यह भी मांग की कि इन सभी सुविधाओं को औद्योगिक पर्यटन के लिए विकसित किया जाना चाहिए और वेकोलि की बंद भूमिगत खदानों को पर्यटन के लिए खोला जाना चाहिए । विधायक किशोर जोरगेवार ने अधिवेशन में पुरजोर मांग की है कि पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और चंद्रपुर जिले को देश के पर्यटन मानचित्र पर स्थान दिलाया जाए ।

मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में भीषण आग

चंद्रपुर.

महानगर से सटे पागलबाबा नगर स्थित कर्मवीर मा. सा. कन्नमवार मेडिकल कॉलेज परिसर में बुधवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। चूंकि स्क्रैप सामग्री में रासायनिक पदार्थ थे, इसलिए आग ने जल्द ही भीषण रूप ले लिया। सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ। पूरि स्क्रैप सामग्री जलकर राख हो गई, जिससे लाखों का स्क्रैप जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

सूत्र के अनुसार पागलबाबा नगर में पिछले 10 वर्षों से मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य चल रहा है। कॉलेज कम से कम 50 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और यहां की सभी इमारतें एयर-कूल्ड सिस्टम से सुसज्जित हैं। जब वर्तमान में बाल चिकित्सा वार्ड में काम चल रहा था, उसी काम के लिए सामग्री, जो कुछ दूरी पर स्थित थी, अचानक दोपहर 3 बजे के आसपास आग लग गई। इसमें मौजूद रासायनिक पदार्थों ने आग पकड़ ली, जिससे लपटें उठीं और पूरे इलाके में काला धुआं फैल गया। उस समय, नगर निगम की दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस समय, बड़ी संख्या में नागरिक एकत्र हुए। चूंकि आग अन्य इमारतों से दूर स्थित थी, इसलिए कोई अन्य नुकसान नहीं हुआ।

उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

आग की सूचना मिलते ही मनपा की दमकल को बुलाया गया। डिप्टी फायर ऑफिसर विकास शाहकार, लीडिंग फायरमैन जितेंद्र वाकडे, मुनीद येरेवार, पीयूष सहारे, फायरमैन चौधरी, कार्तिक नंदवंशी ने एक फायर टेंडर और 3 टैंकरों की मदद से 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बल्लारपुर मनपा की दमकल को भी बुलाया गया। डॉ. निवृत्ति जीवने, चिकित्सा अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज, चंद्रपुर ने जानकारी देते हुए केअह कि, नया मेडिकल कॉलेज अभी तक हमें नहीं सौंपा गया है। यह शपूरजी पलुंजी और एचएलसीसी की संपत्ति है। इसलिए, यह कहना असंभव है कि वास्तव में क्या हुआ।

कोयला खदानों, विमानन सेवाओं और फसल बीमा की ओर ध्यान आकर्षित किया

चंद्रपुर.

केंद्रीय बजट 2025 के अंतर्गत चंद्रपुर-वणी- आर्णी लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रतिभा धानोरकर ने विभिन्न विभागों पर प्रश्नों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इसमें मुख्य रूप से खुले गड्ढे वाले कोयला खनन, विमानन और फसल बीमा से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

सांसद प्रतिभा धानोरकर ने केंद्रीय बजट सत्र के दौरान सरकार पर तीखे बाण चलाए. सरकार का जिले में खुले गड्ढे वाली खनन की ओर ध्यान आकर्षित किया है और सदन को बताया है कि खदानें शुरू होने से पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। सांसद धानोरकर ने खनन से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया तथा इससे वृक्षों के विनाश और पर्यावरणीय क्षति पर चिंता व्यक्त की। इससे सरकार का ध्यान बड़े पैमाने पर हो रहे प्रदूषण की ओर आकर्षित हुआ। इसके जवाब में, सरकार ने संबंधित कम्पनियों को आदेश दिया कि वे उतनी मात्रा में पेड़ लगाएं, जितनी मात्रा में खुले गड्ढे वाले कोयला खनन से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के कारण काटे जाने की सम्भावना हो। हालांकि सांसद धानोरकर ने सरकार के जवाब पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कई स्थानों पर कोयला खदानें खोदे जाने के बाद अभी तक चारागाह नहीं बनाए गए हैं। हवाई सेवाओं के संबंध में सांसद प्रतिभा धानोरकर ने सदन में मांग की कि नागपुर से बौद्ध अनुयायियों के पूजा स्थल गया के साथ-साथ नागपुर से हिंदुओं के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल वाराणसी के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू की जाए।

सांसद धानोरकर ने कहा कि फसल बीमा के तहत किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा का पैसा तत्काल नहीं मिल रहा है। केंद्र सरकार से एक प्रश्न के माध्यम से खेद व्यक्त किया कि एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी फसल बीमा का पैसा किसानों के खाते में जमा नहीं हो रहा है।

नागपुर हाईवे पर भीषण हादसा

> गड़चांदुर निवासी युवक की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

सुबह तकरीबन 6:30 बजे नांदोरी-जाम के बीच नागपुर हाईवे पर एक गंभीर हादसा हुआ। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर विपरीत दिशा में जाकर पलट गई। इस दुर्घटना में गड़चांदूर निवासी मयूर मनोहर बुरान (उम्र 30) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी रितिका मयूर बुरान (28) गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें तुरंत नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका इलाज चल रहा है।

मयूर बुरान नागपुर में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। उनकी शादी हाल ही में नवंबर में हुई। वह होली के त्यौहार पर अपनी पत्नी के साथ अपने गृहनगर गडचांदूर आये थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना उस समय घटित हुई जब वे दोनों होली उत्सव के बाद नागपुर लौट रहे थे। दुर्घटना के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मयूर के शव को पोस्टमार्टम के लिए समुद्रपुर के सरकारी अस्पताल भेज दिया। मयूर की अचानक मौत से गड़चांदुर शहर में शोक की लहर है तथा उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनका अंतिम संस्कार 20 तारीख को गडचांदूर स्थित मोक्ष धाम में किया जाएगा।

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की फुले दंपत्ति को 'भारत रत्न' देने की मांग : डॉ. अशोक जीवतोड़े

चंद्रपुर.

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ द्वारा 7 अगस्त 2018 को मुंबई के वर्ली में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय ओबीसी सम्मेलन में फुले दंपत्ति को भारत रत्न दिए जाने की मांग की गई थी। उस समय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेन्द्र फडणवीस तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बबनराव तायवाड़े की अध्यक्षता में डॉ. अशोक जीवतोड़े और महासचिव सचिन राजुरकर उपस्थित थे। राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ अपनी स्थापना के समय से ही यह मांग करता रहा है। साथ ही, 2018 में सांसद सुप्रिया सुले ने भी केंद्रीय सत्र के दौरान लोकसभा में यह मांग उठाई थी। तदनुसार, राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने मांग की थी कि इसकी स्थापना के बाद से आयोजित प्रत्येक राष्ट्रीय स्तर के ओबीसी सम्मेलन में फुले दंपत्ति को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाए तथा फुले दंपत्ति की संपूर्ण कृतियाँ 10 रुपये में उपलब्ध कराई जाएं। इस संबंध में राज्य और केंद्र सरकारों के साथ भी निरंतर संपर्क बनाए रखा गया। उस सारी जागरूकता को ध्यान में रखते हुए, महाराष्ट्र बजट सत्र में सभी दलों के विधायकों ने संयुक्त रूप से इस मांग का समर्थन किया और इस आशय का एक पत्र दिया, जो पूरे ओबीसी समाज के लिए खुशी की बात है।

चंद्रपुर जिले में प्रदषण की समस्या के खिलाफ मुनगंटीवार का ब्रह्मास्त्र

> नागरिकों की समस्या विधानसभा याचिका समिति को सौंपी

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जिले में कोयला खदान एवं उद्योगों के कारण उत्पन्न जल एवं वायु प्रदूषण की समस्या के संबंध में जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि सुधीर मुनगंटीवार ने ब्रह्मास्त्र उठा लिया है। विधानसभा में विभिन्न संसदीय हथियारों में सबसे महत्वपूर्ण, या जिसे ब्रह्मास्त्र माना जाता है, वह है विधानसभा अनुरोध आवेदन।

चंद्रपुर जिले में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. जिले में कोयला खदानों और उद्योगों से होने वाले जल और वायु प्रदूषण पर प्रतिबंध लगाने के लिए नागरिकों के अनुरोध से सुधीर मुनगंटीवार ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को यह निवेदन सौंपा। अध्यक्ष ने निवेदन स्वीकार कर लिया और आज मुनगंटीवार ने विधानसभा सदन में निवेदन प्रस्तुत किया।

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि याचिका को आगे की कार्रवाई के लिए विधानसभा याचिका समिति को भेजा जाएगा।

पिछले पंद्रह वर्षों में जिले में किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा विधानसभा निवेदन आवेदन के संसदीय साधन का उपयोग नहीं किया गया है। प्रदूषण से पीड़ित चंद्रपुर जिले के नागरिकों के लिए सुधीर मुनगंटीवार के माध्यम से आशा की किरण जगी है।

आगामी समय में विधानसभा याचिका समिति सचिव की गवाही और याचिकाकर्ता नागरिकों की राय सुनकर समस्या की गंभीरता को जानेगी। इसके बाद समिति के प्रमुख और सभी सदस्य जिले का दौरा कर प्रदूषण का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद विधानसभा याचिका समिति अपनी सिफारिशों के साथ विधानसभा सदन को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके माध्यम से राज्य सरकार इस समस्या के संबंध में कदम उठाएगी।

इससे जिले में जल एवं वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान की योजना की दिशा तय होगी। विधायक सुधीर मुनगंटीवार की पहल से जिले के प्रदूषण प्रभावित नागरिकों की उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं।

रेत नीति नहीं बनने से विकास कार्य ठप : विधायक जोरगेवार

> बालू उद्योग के लिए अलग घाट आरक्षित करने की मांग

चंद्रपुर.

राज्य ने अभी तक कोई ठोस रेत नीति तैयार नहीं की है। परिणामस्वरूप, कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं ठप्प पड़ गयी हैं। लोक निर्माण विभाग के लिए कुछ रेत के घाट उपलब्ध करा दिए गए हैं। सत्र में बोलते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने मांग की कि रेत आधारित उद्योगों और उसी तर्ज पर घरों के निर्माण के लिए एक अलग घाट आरक्षित किया जाना चाहिए।

मुंबई में चल रहे बजट सत्र में लक्ष्केयवेधी अवसर पर बोलते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने राज्य में रेत नीति के अभाव के कारण विकास कार्यों और नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया। राज्य में कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक विकास कार्य और आवास परियोजनाएं रुकी हुई हैं। सड़क , पुल और भवन जैसी सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं के लिए बड़ी मात्रा में रेत की आवश्यकता होती है. हालाँकि , रेत की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण इन कार्यों में देरी हुई है। परिणामस्वरूप, नागरिक सुविधाओं में देरी हो रही है और नागरिकों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

यह मुद्दा आज विधायक किशोर जोरगेवार ने विधानसभा सत्र में उठाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रेत नीति न होने के कारण रेत पर आधारित कई उद्योगों को भी बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ईंट भट्ठा व्यवसाय , निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता , कंक्रीट मिक्सिंग प्लांट, कारखाने और अन्य निर्माण व्यवसाय रेत की कमी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसके कारण इस व्यवसाय पर निर्भर सैकड़ों श्रमिकों के बेरोजगार होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

घर बनाने के लिए रेत एक बहुत ही महत्वपूर्ण सामग्री है। हालाँकि , रेत की कमी के कारण कई आवासीय परियोजनाएं रुकी हुई हैं। विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं के लिए आवेदन करने वाले नागरिकों के लिए अपने सही घर का इंतजार बढ़ गया है। इसलिए विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने मांग की कि सरकार को जल्द से जल्द ठोस रेत नीति की घोषणा करनी चाहिए और इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि वे अगले आठ दिनों में रेत नीति की घोषणा करेंगे।

विधि महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

चंद्रपुर.

सर्वोदय शिक्षण मंडल संचालित शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय में 8 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऐजाज शेख कार्यक्रम के अध्यक्ष थे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. अंजली हस्तक, स्नातकोत्तर विभाग प्रमुख प्रा. डॉ. पंकज काकडे, तथा एल.एल.बी. (तीन वर्षीय) विभाग प्रमुख प्रा. डॉ. अभय बुटले उपस्थित थे।

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण गुणवंत छात्रों की माताओं का सम्मान था। इसमें ज्योति तनेजा, प्रमिला गिरी, कमलाताई श्रृंगारे, छायाताई देवपूजारी, आशाताई टोंगे और सुधाताई अलोणे जैसी माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

महाविद्यालय की महिला समिति हर साल इस दिन समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करती है। इस वर्ष प्राचार्य डॉ. ऐजाज शेख ने एक नई पहल करते हुए गुणवंत विद्यार्थियों की माताओं और पूर्व छात्रों की माताओं को सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा।

इस अवसर पर न्यायाधीश पद पर पदोन्नति प्राप्त मंजूषा अलोणे की माता सुधाताई अलोणे तथा चंद्रपुर और गढ़चिरौली में अपनी पहचान बनाने वाली अधिवक्ता वैशाली टोंगे की माता आशाताई टोंगे का सम्मान किया गया।

इसके अलावा, विभिन्न पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की माताओं को भी सम्मानित किया गया. बी.ए. एल.एल.बी. (पांच वर्षीय) में प्रथम स्थान प्राप्त ईशा तनेजा की माता ज्योति तनेजा एल.एल. बी. (तीन वर्षीय) में प्रथम स्थान प्राप्त आकाश गिरी की माता प्रमिला गिरी एल.एल.एम. (स्नातकोत्तर) में प्रथम स्थान प्राप्त अनिल श्रृंगारे की माता कमलाताई श्रृंगारे पूर्व में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कैवल्य देवपूजारी की माता छायाताई देवपूजारी अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ. ऐजाज शेख ने कहा कि "माताएँ अपने बच्चों को सफल बनाने के लिए जो त्याग करती हैं, वह अविस्मरणीय होता है। यह सम्मान उन माताओं के बलिदान और परिश्रम के प्रति हमारी कृतज्ञता का एक छोटा सा प्रयास है।"

मुख्य अतिथि डॉ. अंजली हस्तक ने अपने उद्बोधन में कहा कि मातृत्व अपने आप में एक महान उपलब्धि है, और इस तरह के आयोजनों से समाज में माताओं के योगदान को उचित सम्मान मिलता है।

कार्यक्रम में महिला समिति प्रमुख प्रा. डॉ. मनीषा आवले ने स्वागत भाषण दिया, संचालन प्रा. डॉ. लीना लंगडे ने किया, और आभार प्रदर्शन एडवोकेट शिल्पा दिवाटे ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का यह समारोह माताओं के सम्मान और उनके त्याग की सराहना के रूप में यादगार बन गया।

मिस इंडिया बनकर तनुश्री ने बॉलीवुड में मारी एंट्री

बॉलीवुड में सितारों का आना और फिर अचानक ही गायब हो जाना कई बार देखा गया है। ऐसी ही एक्ट्रेस थीं, जिन्होंने फिल्मों में एंट्री के साथ सफलता हासिल कर ली, लेकिन एक विवाद ने इनके करियर को तबाह कर दिया।'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री तनुश्री दत्ता 19 मार्च को अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। पूर्व मिस इंडिया ने 2005 में बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत की थी और आध्यात्मिक यात्रा शुरू करने से पहले उन्होंने कई हिट फिल्में दी थीं।

आइए अभिनेत्री के अब तक के करियर पर एक नजर डालते हैं और जानते हैं कि वह अब क्या कर रही हैं। तनुश्री दत्ता ने 2003 में मनोरंजन उद्योग में अपना करियर शुरू किया। इसी साल उन्होंने मुंबई में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने इक्वाडोर में मिस यूनिवर्स के खिताब के लिए देश का प्रतिनिधित्व किया, जहां वह छठी रनर-अप रहीं।

उन्होंने 2005 में फिल्म 'आशिक बनाया आपने' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। इस फिल्म में तनुश्री इमरान हाशमी और सोनू सूद के साथ नजर आईं। इसे आदित्य दत्त ने निर्देशित किया था और शगुन फिल्म क्रिएशन्स के बैनर तले बालाभाई पटेल ने इसका निर्माण किया था। अभिनेत्री ने फिल्म में सह-कलाकार इमरान हाशमी के साथ अपने इंटीमेट सीन के जरिए खूब ध्यान आकर्षिक किया। ये फिल्म हिट साबित हुई। कई हिंदी फिल्मों के बाद उन्होंने तमिल सिनेमा में फिल्म थीराधा विलायट्टू पिल्लई से डेब्यू किया। साल 2010 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन थिरु ने किया था और इसमें विशाल, सारा जेन-डायस, तनुश्री दत्ता और नीतू चंद्रा ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। इसका निर्माण जी के फिल्म प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया थासाल 2018 में मि टू आंदोलन के दौरान, तनुश्री दत्ता मीडिया की खूब आलोचनाओं के घेरे में आईं, जब उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म हॉर्न ओके प्लीज में उनके सह-कलाकार नाना पाटेकर ने फिल्म के सेट पर उनका उत्पीड़न किया था। हालांकि 2019 तक पुलिस ने अभिनेता को इन आरोपों से मुक्त कर दिया था। विवाद के बाद तनुश्री दत्ता ने फिल्मों से ब्रेक ले लिया और अध्यात्म की यात्रा पर निकल गईं।

ओरी पर एफआईआर दर्ज होते ही गायब हुए सारे दोस्त

बॉलीवुड के लगभग सभी सितारों के साथ तस्वीरें क्लिक करवा चुके ओरी को भला कौन नहीं जानता है। इस वक्त वो मुसीबत में हैं और हाल ही में पुलिस ने एफआईआर दर्ज ककी हैं इसका कारण ये था कि उन्होने मना किए जाने के बाद भी जम्मू के कटरा में शराब और मांस का सेवन किया था। ये मामला एक होटल था जिसमें ये सब बैन था। इसका कारण इतना है कि वो माता वैष्णों देवी का क्षेत्र था इस दौरान ओरी और उनके कुछ दोस्त वहां मौजूद थे लेकिन किसी ने रूल्स को फॉलो नहीं किया और ये घिनौनी हरकत कर डाली। अब सभी पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है लेकिन ओरी को लेकर कई और बातें की जा रही हैं।कहा जा रहा है कि ओरी को मुसीबत में देख उनके करीबी दोस्त तक साथ नहीं दे रहे हैं। किसी ने सोशल मीडिया पर ओरी को लेकर बात नहीं की है और ना ही सपोर्ट कर रहे हैं। चाहें अनन्या पांडे हों, जान्हवी कपूर हों या फिर सुहाना खान.. ओरी के साथ कोई नहीं खड़ा है?

ऐसा कहा जा रहा है कि मुसीबत में आते ही ओरी को पता चला है कि उनको कोई सपोर्ट करने वाला नहीं है। फिलहाल वो लगातार इससे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि अनन्या और जान्हवी के अलावा सारा अली खान और सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर तक उनकी खास दोस्त हैं जब ओरी चर्चा में आए थे तो पहला सवाल यही खड़ा हुआ था कि आखिर ये कौन हैं और सभी एक्ट्रेसेस को कैसे जानते हैं। तो आपको बता दें कि ओरी एक बड़े बिजनेसमैन के बेटे हैं और इन हसीनाओं के साथ वो स्कूल में पढ़े हैं। यही कारण है कि सभी उनको जानती हैं और सोशल मीडिया पर इस तरह से तस्वीरें वायरल होती हैं। फिलहाल देखने वाली बात होगी कि ओरी के सपोर्ट में कोई बोलता है या नहीं ओरी इस दौरान जम्मू में थे और पास ही माता वैष्णों देवी का मंदिर है। इस मंदिर के पास वो जिस होटल में ठहरे थे उसमें मांस और शराब बैन है। ये पता होने के बाद भी ओरी ने चुपचाप ये सारा सामान मंगाया और इसका सेवन किया। इस दौरान किसी ने शिकायत कर दी और उनपर एफआईआर दर्ज हो गई है। अब देखने वाली बात होगी कि ओरी इस समस्या से कब निकलते हैं.

पंकज त्रिपाठी की बेटी की इंडस्ट्री में एंट्री

पंकज त्रिपाठी की बेटी आशी त्रिपाठी अपने पहले म्यूजिक वीडियो 'रंग डारो' के साथ डेब्यू कर चुकी हैं. अभिनेता ने कहा कि उनके और उनकी पत्नी मृदुला के लिए अपनी बेटी को स्क्रीन पर देखना एक खास पल हैपंकज त्रिपाठी की बेटी आशी त्रिपाठी अपने पहले म्यूजिक वीडियो 'रंग डारो' के साथ डेब्यू कर चुकी हैं. अभिनेता ने कहा कि उनके और उनकी पत्नी मृदुला के लिए अपनी बेटी को स्क्रीन पर देखना एक खास पल है.बेटी के डेब्यू के बारे में पंकज त्रिपाठी ने कहा, "आशी को स्क्रीन पर देखना हम दोनों के लिए एक भावनात्मक और गर्व का क्षण है. वह हमेशा से ही परफॉर्मिंग आर्ट्स को लेकर जुनूनी रही है और अपने पहले ही प्रोजेक्ट में शानदार काम करते देखना खास रहा.उन्होंने कहा, "अगर यह उसका पहला कदम है, तो मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि उसका सफर उसे कहां ले जाता है." मैनाक भट्टाचार्य और संजना रामनारायण के गाए गए 'रंग डारो' को अभिनव आर कौशिक ने कंपोज किया है.

बाप-बेटे दोनों के साथ फिल्मों में लड़ाया इश्क

हिंदी सिनेमा की कई फिल्मों के हीरो-हीरोइन के बीच उम्र का फासला चर्चा का हिस्सा बन चुका है. इंडस्ट्री में कई हीरोइन्स हैं, जिन्होंने बाप और बेटे दोनों के साथ फिल्मों में इश्क फरमाया है. इस लिस्ट में माधुरी दीक्षित से लेकर रानी मुखर्जी तक का नाम शामिल है 80-90 के दशक में बेहतरीन और पॉपुलर हीरोइन कम थीं और मेकर्स उन्हीं के साथ काम करना पसंद करते थे. ऐसे में कई एक्ट्रेसेस को उस दौर में सुपरस्टार बाप और उनके बेटे दोनों के साथ इश्क फरमाना पड़ा. ऐसी कई हीरोइन्स हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री के बाप-बेटों दोनों के साथ काम किया है.लिस्ट में कौन-कौन से नाम शामिल हैं.इस लिस्ट में टॉप पर श्रीदेवी का नाम है. उन्होंने सनी देओल और धर्मेंद्र दोनों के साथ बड़े पर्दे पर इश्क लड़ाया है. फिल्म निगाहें, चालबाज और जोशीले जैसी फिल्मों में सनी और श्रीदेवी की जोड़ी नजर आ चुकी है. वहीं धर्मेंद्रम के साथ उन्होंने फिल्म नाकाबंदी में रोमांस किया था.80-90 के दशक में माधुरी दीक्षित का काफी दबदबा था. इंडस्ट्री का हर डायरेक्टर उनके साथ काम करना चाहता था. माधुरी ने ने फिल्म दयावान में जहां विनोद खन्ना के साथ काम किया था. दोनों के बीच काफी बोल्ड सीन्स भी थे. वहीं बेटे अक्षय खन्ना के साथ फिल्म मोहब्बत में इश्क फरमाया था.रानी मुखर्जी ने भी बाप-बेटे के साथ पर्दे पर रोमांस किया है. रानी ने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म ब्लैक में किसिंग सीन दिया था. वहीं बंटी और बबली में अभिषेक बच्चन के साथ रानी रोमांस कर चुकी हैं.

होली पर तंज कसने वालों पर भड़कीं अक्षरा सिंह

होली के मौके पर कई सिंगर्स अपने म्यूजिक वीडियो लॉन्च करते हैं. भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह भी इस खास मौके पर एक नया गाना लेकर आई हैं. इस गाने के प्रमोशन के दौरान 'होली' जैसे त्योहारों पर निशाना साधने वालों की अक्षरा ने जमकर क्लास लगाई.भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह हर त्योहार के मौके पर अपना नया गाना लॉन्च करती हैं. हाल ही में होली के खास मौके पर उन्होंने अपना होली स्पेशल गाना 'जोगीरा साराररा' रिलीज किया है. इस गाने में उनके साथ मशहूर टीवी एक्टर विशाल आदित्य सिंह भी नजर आ रहे हैं.

एक तरफ होली के रंग में रंगने के लिए तैयार अक्षरा सिंह इस त्योहार पर टिप्पणी करने वालों पर नाराज नजर आईं. फराह खान के 'छपरी होली' कमेंट पर सवाल पूछने पर अक्षरा ने कहा कि कुछ दिनों में लोग इंसानियत ही खत्म कर देंगे.अक्षरा सिंह बोलीं, "हर चीज की आलोचना करते हुए हम लोग कुछ दिनों में इंसानियत ही खत्म कर देंगे. पॉजिटिव चीजों से ज्यादा आज हम निगेटिविटी के पीछे पड़े हैं. हम हर चीज में निगेटिविटी ही ढूंढ रहे हैं. क्या इस निगेटिविटी से किसी की जिंदगी सही बन जाएगी? नहीं ना. फिर हर चीज के बारे में निगेटिव सोचने की जरूरत नहीं है. हमें जिंदगी में पॉजिटिव रहना चाहिए. किसी भी त्योहार में कमियां निकालने से अच्छा है, इसे धूम-धाम से मनाओ, खुश रहो, ये हमारा कल्चर है, जो हमें बाकियों से अलग बनाता है और हर चीज की आलोचना करने का ये ट्रेंड अब खत्म होना चाहिए. हालांकि इस दौरान अक्षरा सिंह ने कहा कि उनका ये जवाब उन्हें है, जो होली ही नहीं हर त्योहार पर उंगली उठाते हैं. लेकिन फराह खान की 'छपरी होली' कमेंट को वो उनकी बोलने का स्टाइल मानती हैं.अक्षरा सिंह ने खुद उनका होली स्पेशल गाना प्रोड्यूस किया है. इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि चाहे गाने हों या काम, मैं हमेशा से ऐसे प्रोजेक्ट्स करना चाहती थीं, जो हम अपने परिवार के साथ बैठकर देखें और इसलिए हमारा नया 'होली' का गाना भी साफ-सुथरा है. हमने इस गाने को एक हिंदी गाने की तरह ही ट्रीटमेंट दी है.

सुनीता विलियम्स की मुस्कान देख खुशी से झूमा ये एक्टर

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के वापस लौटने पर दुनियाभर में खुशी की लहर है। भारतीय एक्टर भी उनकी वापसी से काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपनी खुशी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जाहिर की है।अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर करीब नौ महीने अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुरक्षित धरती पर लौट आए हैं। पिछले साल जून से अंतरिक्ष में फंसे इन अंतरिक्ष यात्रियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार उनका अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा के समुद्र तट पर सफलतापूर्वक उतर गया। बॉलीवुड-

टॉलीवुड अभिनेता आर माधवन ने सुनीता विलियम्स की धरती पर सुरक्षित वापसी पर खुशी जताते हुए एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने बीते दिन भी सुनीता के लिए पोस्ट किया था और कामना की थी कि वो सफलतापूर्क धरती पर लौट आएं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर का अंतरिक्ष यान धरती पर सुरक्षित उतर गया। भारतीय समय के अनुसार, बुधवार तड़के लैंडिंग हुई। इस खबर का जश्न पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है। माधवन ने आज बुधवार को भारत की बेटी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि आखिरकार प्रार्थनाएं कबूल हो गईं। आर माधवन की पोस्ट में लिखा है, 'हमारी प्यारी सुनीता विलियम्स का धरती पर स्वागत है। आखिरकार, हमारी प्रार्थनाएं कबूल हो गईं। आपको सुरक्षित और मुस्कुराते हुए देखकर राहत मिली और बहुत अच्छा लगा। अंतरिक्ष में 260 से अधिक अनिश्चित दिनों के बाद आपकी वापसी, यह सब ईश्वर की कृपा है। लाखों लोगों की प्रार्थनाएं स्वीकार हुई हैं। पूरे क्रू में सभी ने शानदार काम किया। ईश्वर का आशीर्वाद बना रहे।'अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के बाद नासा ने आधिकारिक बयान में कहा कि सभी अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं। नासा ने कहा कि सभी यात्री ठीक हैं। उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। समुद्र से बाहर निकाले जाने की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए नासा ने कहा, तटरक्षक दल ने शानदार काम किया। सफल वापसी के बाद स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने भी बधाई दी।

एक्शन की राह से भटके सनी

सनी देओल को एक्शन फिल्मों में काम करता हुआ देखना उनके फैन्स को काफी पसंद है. गदर 2 के बाद जाट और बाप जैसी फिल्मों में सनी देओल को फिर से दमदार एक्शन करते हुए देखा जाएगा.

फिल्म जाट में तो सनी पाजी 6-6 विलेन को धूल चटाते हुए भी नजर आएंगे. लेकिन इसी बीच पता चला है कि सनी एक्शन रोल को छोड़कर अब एक फैमली ड्रामा फिल्म अपने सभी फैन्स के लिए लेकर हाजिर होने वाले हैं. फिलहाल इस फिल्म का नाम 'सफर' रखा गया है, जिसे आगे चलकर बदला भी जा सकता है सनी देओल ने अपने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग भी पूरी कर ली है. शशांक उदापुरकर के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म सनी देओल को उनके पुराने किरदार से बिल्कुल अलग दिखाने वाली है. उनका किरदार इस बार काफी हटकर होगा. मेकर्स इस फिल्म को सीधा ओटीटी पर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं.

नागपुर हिंसा के लिए विक्की कौशल की 'छावा' जिम्मेदार

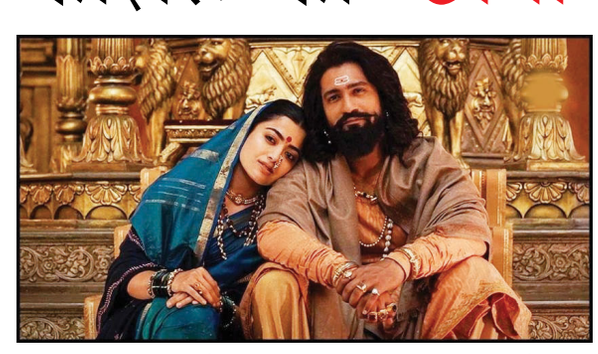

हाल ही में नागपुर में औरंगजेब की क्रब हटाने को लेकर विवाद हुआ और हिंसा भड़क गई। विवाद पर टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्टर विक्की कौशल को निशाने पर लिया। उन्होंने इसके लिए विक्की की फिल्म 'छावा' को जिम्मेदार ठहराया।बता दें कि 17 मार्च की शाम सेंट्रल नागपुर के चिटनिस पार्क से विवाद शुरू हुआ। 18 मार्च को विधानसभा में हिंसा पर बात करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा था कि नागपुर की हिंसा सोची-समझी साजिश लग रही है। भीड़ ने पहले से घर और दुकान टारगेट किया।

उन्होंने कहा कि लोगों में गुस्सा का कारण 'छावा' फिल्म है। इस फिल्म ने लोगों के मन में औरंगजेब के प्रति गुस्सा भड़का दिया है। इसके अलावा अफवाह की वजह से भी हिंसा भड़की। फिर भी महाराष्ट्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। जो भी दंगे में शामिल होगा तो हम उसके जाति या धर्म की परवाह किए बिना कार्रवाई करेंगे।

नागपुर हिंसा पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूजर्स दो हिस्सों में बंटे नजर आ रहे हैं। कुछ यूजर्स सीएम की बात को समर्थन करते हुए एक्टर को दोषी मान रहे हैं। वहीं, कुछ एक्टर के सपोर्ट में ट्वीट कर रहे हैं।

रिजवान हैदर नाम के एक यूजर ने एक्टर विक्की कौशल और फिल्म के डायरेक्टर की गिरफ्तारी की मांग की।

लेकिन अब एक्टर के सपोर्ट में उनके फैंस उतर गए हैं। वो लगातार विक्की के सपोर्ट में प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर रहे हैं।

नंदिनी नाम की एक यूजर लिखती हैं. 'औरंगजेब के दमदार रोल के लिए वे अक्षय खन्ना के पीछे नहीं जाएंगे क्योंकि वह बिल्कुल वैसे ही थे। और उन्हें इस पर गर्व है। वे संभाजी का शानदार चित्रण करने के लिए विक्की कौशल पर निशाना साध रहे हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि मराठा को इस तरह याद किया जाए। एक निडर, विद्रोही योद्धा जो झुकने से इनकार कर देता है, उनकी कहानी में फिट नहीं बैठता और यही बात उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करती है।राहुल नाम के एक यूजर ने लिखा- 'नागपुर हिंसा के लिए विक्की कौशल को दोष देना बहुत गलत है। छावा एक फिल्म है, विक्की कौशल ने एक किरदार निभाया है और मेकर्स ने औरंगजेब की क्रूरता को दिखाया है। लेकिन अब इस देश में कुछ लोगों के लिए औरंगजेब महान हो गया है।'मसाले डोज नाम के एक यूजर ने लिखा- 'कोई हैरानी नहीं कि बॉलीवुड ने विक्की कौशल के खिलाफ इस पैमाने पर नकारात्मक अभियान शुरू कर दिया है। इनसिक्योरिटी चरम पर है।

अनुराग ने नेटफ्लिक्स इंडिया को बताया 'पाखंडी' और 'भ्रष्ट'

जाने-माने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज एडोलसेंस देखी और इसकी जमकर तारीफ की. लेकिन उन्होंने नेटफ्लिक्स इंडिया पर जमकर भड़ास भी निकाली. अनुराग ने इस ओटीटी प्लेटफॉर्म को भ्रष्ट और बेईमान कहते हुए इस पर पाखंडी होने के आरोप भी लगाए.अनुराग कश्यप ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में बनाई हैं. अनुराग अपने बेबाक और बिंदास अंदाज के लिए भी चर्चा में रहते हैं. अब अनुराग कश्यप ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया को जमकर लताड़ लगाई है. उन्होंने नेटफ्लिक्स को बेईमान और भ्रष्ट बताते हुए उसे पाखंडी भी कहा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी है.

अनुराग ने इंस्टाग्राम पोस्ट में पहले नेटफ्लिक्स की सीरीज एडोलसेंस की जमकर तारीफ की है. ये सीरीज हाल ही में रिलीज हुई. अनुराग ने पोस्ट में लिखा, "अभी-अभी एडोलसेंस देखी. मैं स्तब्ध और ईर्ष्यालु हूं कि कोई ऐसा शो बना सकता है. बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ओवेन कूपर और स्टीफन ग्राहम की एक्टिंग, जो न केवल पिता की भूमिका में हैं, बल्कि शो के को-प्रोड्यूसर भी हैं. शो में कितनी मेहनत की गई है. मैं सोच भी नहीं सकता कि उन्होंने कितनी रिहर्सल और तैयारी की होगी, ताकि वे हर एपिसोड को एक

ही शॉट में शूट कर पाए."अनुराग आगे लिखते हैं,"सिनेमैटोग्राफर मैथ्यू लुईस और फिल्म निर्माता फिलिप बैरेंटिनिनी कितने टैलेंटेड हैं. यह किसी भी फिल्म या मैंने जो कुछ भी देखा है, उससे बेहतर है. इसमें समय लगता है, एक भी बारीकियों को न छोड़ना साहस की बात है. को-प्रोड्यूसर जैक थॉर्न, आप सभी लोगों और आपकी टीम को बधाई. एक बेहतरीन टीम और इसे पूरा करने के दृढ़ संकल्प के बिना इसे पूरा करना निश्चित रूप से संभव नहीं हैअनुराग ने अपनी इसी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, "अब मेरी ईर्ष्या और जलन की बात करें. टेड सारंडोस (नेटफ्लिक्स के सीईओ) ने हाल ही में एक पोस्ट में कहा,"हर बार एक ऐसा शो आता है जो बिल्कुल नए क्षेत्रों में जाता है. रचनात्मकता की सीमाओं को चैलेंज करता है और करियर को परिभाषित करने वाले प्रदर्शन करता है." और मुझे उम्मीद है कि उनका मतलब यही है, क्योंकि नेटफ्लिक्स इन (नेटफ्लिक्स इंडिया) पर उनका शो बिल्कुल विपरीत है. अगर उन्हें यह ऑफर किया जाता, तो शायद वे इसे रिजेक्ट कर देते या इसे 90 मिनट की फिल्म में तब्दील कर देते.

CMYK

गुजरात टाइटंस की मैदान पर उतरने वाली 12 प्रमुख धुरंधर खिलाड़ी

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस अपने अभियान का आगाज 25 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ करेगी. नए सीजन के लिए उसने टीम स्क्वॉड की सर्वाधिक संख्या को छुआ हैं. मतलब कि पूरे 25 खिलाड़ी खरीदे और इसके लिए 119.85 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. लेकिन, अब गुजरात टाइटंस को अपने किन्हीं 13 खिलाड़ियों को बाहर करना होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि जो खिलाड़ी मैदान पर खेलने उतरेंगे वो बस 12 ही होंगे. तो सवाल है कि वो कौन से 12 चेहरे होंगे, जो मैदान पर उतरकर गुजरात की जीत की गाथा लिखते दिखेंगे.

कैसी होगी गुजरात टाइटंस की टीम?

गुजरात टाइटंस ने शुभमन गिल को आईपीएल 2025 में कप्तान बनाया है. और इस लिहाज से उनका खेलना लीग के पहले ही नहीं बल्कि सभी मुकाबलों में तय होगा. लेकिन बाकी खिलाड़ियों का क्या? सिर्फ 25 मार्च को पंजाब किंग्स से होने वाले पहले ही मैच की टीम देखें तो वो कौन से खिलाड़ी होंगे, जो मैदान पर नजर आएंगे. बात अगर ओपनिंग की करें तो कप्तान गिल के साथ जोस बटलर का अंदाज देखने को वहां मिल सकता है. इसके अलावा फर्स्ट डाउन पर साई सुदर्शन खेलते दिख सकते हैं. नंबर 4 पर ग्लेन फिलिप्स खेल सकते हैं. वहीं 5, 6 और 7 नंबर की पोजिशन वाशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया और शाहरुख खान जैसे ऑलराउंडर्स से भरा होगा. राशिद खान और साई किशोर स्पिन की ताकत को और बढ़ाते दिखेंगे. जबकि तेज गेंदबाजी का दारोमदार कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज संभालते दिखेंगे. इनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आजमाया जा सकता है.

गुजरात टाइटंस की संभावित स्टार्टिंग XI

शुभमन गिल, जोस बटलर, साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, राशिद खान, साई किशोर, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज

गुजरात टाइटंस अगर इन 12 खिलाड़ियों पर दांव लगाती है और उनके साथ आईपीएल 2025 के मैदान में उतरने का मन बनाती है तो जाहिर है कि फिर बाकी 13 खिलाड़ियों को बाहर जाना होना पड़ सकता है, जिनके नाम इस प्रकार हैं:

सरफेन रदरफोर्ड, गेराल्ड कोएत्ज, महिपाल लोमरोड़, गुरनूर ब्रार, अरशद खान, करीम जनत, जयंत यादव, इशांत शर्मा, निशांत सिधू, मानव सुथर, अनुज रावत, कुलवंत खेजरोलिया और कुमार कुशाग्र.

आईपीएल 2025 में हर वेन्यू पर होगी ओपनिंग सेरेमनी

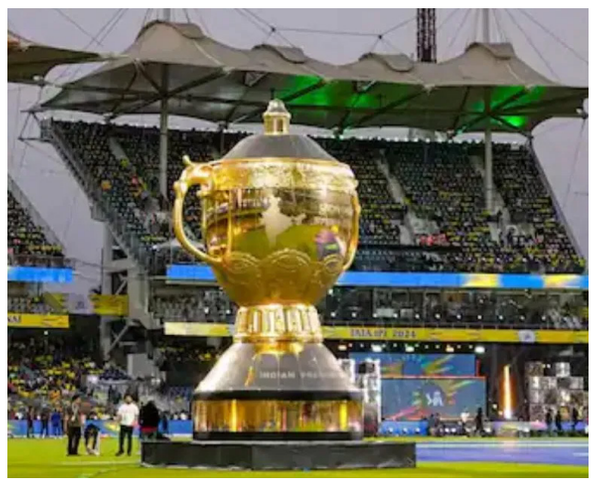

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच के साथ होगी. इस ओपनिंग मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बड़ा फैसला लिया है. दरअसल, इस बार टूर्नामेंट का 18वां साल है. बोर्ड इस उपलब्धि को सेलिब्रेट करने के साथ-साथ फैंस के लिए भी खास बनाना चाहता है. इसलिए उसने सभी 13 वेन्यू पर ओपनिंग सेरेमनी कराने का फैसला किया है. सिर्फ कोलकाता ही नहीं, बल्कि हर वेन्यू के मैच से पहले एक ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी. इस दौरान कई कलाकार फैंस के सामने प्रदर्शन करके धूम मचाएंगे.

कोलकाता में 30 मिनट की सेरेमनी

पहली ओपनिंग सेरेमनी 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी. इस दौरान बॉलीवुड सुपरस्टार और संगीत जगत की मशहूर हस्तियां 30 मिनट के इवेंट में परफॉर्म करेंगी. इसी तरह का सेलिब्रेशन पूरे सीजन के दौरान जारी रहेगा. बीसीसीआई ने हर वेन्यू के पहले मैच की शुरुआत पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम कराने का फैसला किया है, जिसमें कई मशहूर कलाकार शामिल होंगे.

बीसीसीआई इस बार टूर्नामेंट में और फ्लेवर लाना चाहती थी, ताकि हर जगह के दर्शक ओपनिंग समारोह का लुत्फ उठा सकें. इसलिए हर जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय कलाकारों की एक लाइन-अप बनाने की प्लानिंग चल रही है. मौजूदा जानकारी के मुताबिक, बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल और बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी 22 मार्च को कोलकाता में उद्घाटन समारोह के दौरान परफॉर्म करेंगी. इस दौरान आईसीसी के चेयरमैन और पूर्व बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह भी मौजूद रहेंगे.

फाइनल स्टेज पर बातचीत

रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता के अलावा दूसरी 12 जगहों पर इवेंट के लिए कुछ प्रसिद्ध कलाकारों के साथ बोर्ड की बातचीत लगभग अंतिम स्टेज में है. सूत्र ने कहा, 'विचार यह है कि सभी इवेंट के लिए बॉलीवुड कलाकारों का एक अलग समूह प्रदर्शन करे और इनिंग के बीच सीमित समय के साथ, इन कार्यक्रमों के लिए दो से तीन कलाकारों को शामिल किया जा सकता है. इसके लिए 19 मार्च तक कलाकारों और मशहूर हस्तियों की लिस्ट तैयार कर ली जाएगी.

आईपीएल 2025 में तन्मय श्रीवास्तव की अंपायरिंग में एंट्री

नई दिल्ली. विराट कोहली ने कप्तानी करते हुए 2008 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था. इस अंडर-19 टीम से अब महज रवींद्र जडेजा और मनीष पांडे ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अभी भी आईपीएल में खेल रहे हैं.

अब 17 साल पहले कोहली को चैंपियन बनाने वाले उस टीम के एक और खिलाड़ी की इस टूर्नामेंट में एंट्री होने वाली है. बीसीसीआई की ओर से उसे नौकरी मिली है. हम यहां बात कर रहे हैं तन्मय श्रीवास्तव की. दरअसल, 35 साल के तन्मय आईपीएल 2025 में अंपायरिंग करते हुए नजर आने वाले हैं. इसके साथ ही वे आईपीएल मैच में खेलने और ऑफिशियल के तौर पर काम करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. आईपीएल में उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए 7 मैच खेले हैं.

यूपीसीए ने किया ऐलान

तन्मय श्रीवास्तव करीब पांच साल पहले ही क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं. इस खेल को छोड़ने के बाद उन्होंने अंपायरिंग के क्षेत्र में उतरने का फैसला किया. इसके बाद तन्मय ने 2 सालों तक अंपायरिंग का लेवल 2 कोर्स किया और घरेलू क्रिकेट में अंपायर की भूमिका निभाने लगे। अब बीसीसीआई ने उन्हें फास्ट ट्रैक आईपीएल के अंपायर के तौर पर चुना है. इस बात का आधिकारिक ऐलान यूपीसीए ने किया है. हालांकि, इस सीजन में उन्हें ऑनफील्ड अंपायरिंग करने की जिम्मेदारी नहीं दी गई है.

कौन हैं तन्मय श्रीवास्तव?

तन्मय श्रीवास्तव 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे. उन्होंने फाइनल जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. साउथ अफ्रीका के खिलाफ हुए खिताबी मुकाबले में तन्मय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे. उन्होंने नंबर 3 पर बैटिंग करते हुए 46 रनों की अहम पारी खेली थी. साथ ही कोहली के साथ 47 रनों की साझेदारी की थी, जिसके दम पर भारत 159 के स्कोर पर पहुंचने में कामयाब रहा था. वहीं घरेलू क्रिकेट में वे यूपी के लिए खेलते थे.

हालांकि, कभी भी वे टीम इंडिया के लिए डेब्यू नहीं कर सके.

आईपीएल में इस्तेमाल होने वाली बॉल, रनों की बौछार का राज

नई दिल्ली. आईपीएल का मतलब चमक-दमक वाली क्रिकेट तो है ही. लेकिन, उसके अलावा इसमें है क्रिकेट फैंस के लिए ढेर सारा रोमांच और मजा भी है. अब वो रोमांच और मजा आएगा कहां से, तो उसका जवाब है मैदान पर होने वाली रनों की बौछार. आईपीएल में गेंदबाजों से ज्यादा बल्लेबाजों की तूती है. और, वो इसलिए है क्योंकि यहां जो गेंद इस्तेमाल होती है, वो अगर सही से बल्ले पर आ जाती है तो फिर उसका ठीकाना बाउंड्री के पार ही होता है. अब सवाल ये है की आईपीएल में ऐसी कौन सी बॉल इस्तेमाल होती है? और, सबसे बड़ी बात की उसकी कीमत क्या है?

किस बॉल से खेला जाता है आईपीएल, क्या है कीमत?

आईपीएल में इस्तेमाल में लाई जाने वाली गेंद से जुड़े दोनों सवाल अपने आप में दिलचस्प हैं. गेंद और उसकी कीमत के बारे में जानने की बेचैनी हर क्रिकेट फैंस को रहती ही है? तो आइए इन दोनों सवालों के जवाब से हम आपको रूबरू कराते हैं.कूकाबूरा गेंद का होता है आईपीएल में इस्तेमाल आईपीएल में जो गेंद इस्तेमाल में लाई जाती है, वो कूकाबूरा की होती है. गेंद का रंग सफेद होता है. इस बॉल का इस्तेमाल सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि आईसीसी टूर्नामेंट से लेकर किसी भी बाइलेटरल सीरीज में भी होता है? दुनिया में कहीं भी व्हाइट बॉल क्रिकेट होती है तो कूकाबूरा बॉल ही इस्तेमाल होती है? तो ऐसा क्या खास है इस बॉल में? इस सवाल का जवाब जानने के लिए आपको कूकाबूरा बॉल का इतिहास समझना होगा. इसकी शुरुआत 1970 के दशक से होती है. यानी जब वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट की शुरुआत हुई और डे-नाइट मैच का कॉन्सेप्ट आया तो पहली बार कूकाबूरा ने ही व्हाइट बॉल बनाई.

क्या है कूकाबूरा गेंद की खासियत?

अब सवाल है कि इस बॉल में ऐसा क्या खास है? तो वो है इस बॉल की लेदर क्वालिटी, जिसके चलते इस गेंद को लंबी दूरी ट्रेवल करने में मदद मिलती है. यही वजह है कि आप आईपीएल में लंबे-लंबे छक्के पड़ते देखते हैं. इस गेंद की मेकिंग पर जाएं तो इसकी सीम बहुत ज्यादा बाहर निकली नहीं है. गेंद की सीम के अंदर की दो लेयर ही बस हाथों से सिली होती है. बाकी सारी सिलाई गेंद में मशीन से की जाती हैं.गेंद की कीमत जानकर उड़ जाएंगे होश!आईपीएल के हर एक सीजन की तरह 2025 में भी कूकाबूरा बॉल का ही इस्तेमाल होने वाला है. इस गेंद की कीमत की बात करें तो वो लगभग 18000 रुपये है.

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा कां तलाकं

हाई कोर्ट ने 6 महीने का कूलिंग-ऑफ पीरियड माफ किया

नई दिल्ली. टीम इंडिया के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की ताजा अपडेट सामने आई है. रिपोर्ट के मुताबिक, बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मामले को 20 मार्च को निपटाने का ऑर्डर दिया है.

उसने बांद्रा के फैमिली कोर्ट को तलाक पर अपना फाइनल फैसला सुनाने के लिए कहा है. हाई कोर्ट ने 6 महीने का कूलिंग-ऑफ पीरियड भी माफ कर दिया है. इसके लिए दोनों ने आपसी सहमति से एक याचिका लगाई थी. दरअसल, तलाक के लिए आपसी याचिका लगाने के बाद 6 महीने तक समझौते और फिर से एक होने के लिए समय दिया जाता है. लेकिन जब ऐसी कोई संभावना नजर नहीं आए तो कोर्ट की ओर से इसे माफ किया जा सकता है.

कोर्ट ने क्यों दिखाई जल्दी?

22 मार्च से आईपीएल की शुरुआत हो जाएगी. वहीं 25 मार्च को पंजाब किंग्स अपना पहला मैच खेलने के लिए उतरेगी. इस दौरान मौजूदा सीजन में पंजाब के लिए खेलने वाले युजवेंद्र चहल भी नजर आ सकते हैं. इसके बाद वो अगले दो महीने तक इस टूर्नामेंट में व्यस्त रहेंगे. चहल की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए ही हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट को 20 मार्च तक तलाक की याचिका पर फाइनल फैसला सुनाने के निर्देश दिए हैं.

ढाई साल से रह रहे अलग

बार एंड बेंच की रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि चहल और धनश्री ढाई साल से अलग रह रहे हैं. इसका मतलब है कि जून 2022 में दोनों का साथ छूट गया था और दोनों की राहें अलग हो गई थीं. हाई कोर्ट के आदेश ने इस खबर पर मुहर लगा दी है कि चहल और धनश्री अब साथ नहीं हैं. अलग होने के बाद उन्होंने आपसी सहमति से तलाक की मांग करते हुए 5 फरवरी को फैमिली कोर्ट में एक संयुक्त याचिका दायर की थी.

चहल को देने होंगे 4.75 करोड़

रिपोर्ट के मुताबिक, गुजारा भत्ता के लिए दोनों के बीच आपसी सहमति बन गई है. इसके तहत युजवेंद्र चहल 4.75 करोड़ रुपये धनश्री वर्मा को देंगे.

फैमिली कोर्ट के मुताबिक वो इसमें से 2.37 करोड़ रुपये पहले ही दे चुके हैं. हाई कोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच हुई सहमति के अनुसार अब तलाक के आदेश के बाद ही गुजारा भत्ता की दूसरी किस्त देनी है.

बता दें दोनों का रिश्ता 5 साल पहले ही शुरू हुआ था. कोविड महामारी के दौरान डांस क्लास के दौरान नजदीकियां बढ़ीं, फिर दोनों में प्यार हुआ. 22 दिसंबर 2020 को चहल और धनश्री ने शादी कर ली थी. हालांकि, ये रिश्ता ठीक से 2 साल भी नहीं टिक पाया.

सिराज का जलवा, पाकिस्तान में T20 मैच में बेहतरीन प्रदर्शन

लाहौर. पाकिस्तान में इन दिनों नेशनल T20 कप खेला जा रहा है, जहां 18 मार्च को खेले एक मुकाबले में सिराज का जलवा दिखा. मैच में दमदार प्रदर्शन कर उन्होंने ना सिर्फ अपनी टीम को जिताया बल्कि प्लेयर ऑफ द मैच भी बने. ये मुकाबला मुल्तान और आजाद जम्मू-कश्मीर रीजन की टीम के बीच खेला गया था, जहां गेंद और बल्ले दोनों से आतंक मचाकर 27 साल के खिलाड़ी शारून सिराज ने जीत का माहौल तैयार किया. वो इस मैच में मुल्तान की टीम का हिस्सा थे.

शेफाली वर्मा की गेंदबाजी से हरियाणा की कर्नाटक पर बड़ी जीत

चंडीगढ़. महिला प्रीमियर लीग 2025 की समाप्ति के बाद अब भारतीय खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में व्यस्त हो गई हैं। इसी कड़ी में बड़े शॉट लगाने वाली शेफाली वर्मा ने महिला अंडर-23 वनडे ट्रॉफी के प्री-क्वार्टर फाइनल में हरियाणा की ओर से खेलते हुए कर्नाटक के खिलाफ गेंद से कमाल दिखाया। दरअसल, उन्होंने मैच में हैट्रिक लेकर सभी को हैरान कर दिया हैं।

भारतीय टीम से बाहर चल रहीं शेफाली वर्मा ने पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर के तौर पर 44वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर कर्नाटक की सलोनी पी और सौम्या वर्मा को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद उन्होंने 46वें ओवर में गेंद थामी और पहली ही गेंद पर नमिता डिसूज़ा को आउट कर यादगार हैट्रिक पूरी की। उनकी गेंदबाजी का ही कमाल था कि कर्नाटक की टीम 49.3 ओवर में 217 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। उन्होंने मैच में 20 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

वहीं, हरियाणा ने निकी प्रसाद की कप्तानी में मिथाली विनोद के आकर्षक अर्द्धशतक (90 रन) से आसानी से मुकाबले को 42वें ही ओवर में अपने नाम कर लिया। टीम की जीत में सोनिया और तनीषा ने क्रमशः 66 और 77 रन का योगदान दिया।

21 वर्षीय शेफाली वर्मा के प्रयासों से हरियाणा ने कर्नाटक के खिलाफ छह विकेट से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यहां यह ध्यान रखने वाली बात यह है कि शेफाली की यह उपलब्धि महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लगातार तीसरे फाइनल में हारने के कुछ ही दिनों बाद आई है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली के लिए मशहूर सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए महिला टी-20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रही। उनका लक्ष्य अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम में वापसी पर है। शेफाली वर्मा महिला प्रीमियर लीग 2025 सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे नंबर पर रहीं। उनसे आगे विदेशी खिलाड़ी नैट साइवर-ब्रंट, एलिस पेरी और हेली मैथ्यूज रहीं।

पीटर सिडल ने घरेलू क्रिकेट से लिया संन्यास

कैनबेरा. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर पीटर सिडल ने घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने विक्टोरिया की ओर से खेलते हुए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की लगातार चौथी बार शेफील्ड शील्ड जीतने की उम्मीदों पर पानी फेरने के बाद संन्यास की घोषणा की। विक्टोरिया के कप्तान विल सदरलैंड ने कहा, निश्चित तौर पर उनका करियर अविश्वसनीय था। अभी भी हम उन्हें अगले सीजन में फिर से खेलने की कोशिश में मनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह यह बता दें कि उन्होंने 29 दिसंबर 2019 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

आखिर मैच कुल 7 विकेट चटकाए

शेफील्ड शील्ड 2025 में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से टॉस जीतकर विक्टोरिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। विक्टोरिया ने इस मुकाबले की पहली पारी में 197 रन की पारी खेली और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को 186 रन पर रोक 11 रन की मामूली बढ़त बनाई। वहीं, विक्टोरिया ने दूसरी पारी में 370/9d का स्कोर खड़ा कर पहली पारी के आधार पर 382 रन का लक्ष्य दिया। हालाकि लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 347 रन ही बना सकी।

इस तरह विक्टोरिया ने यह मुकाबला 34 रन से जीत लिया। पीडर सिडल ने इस मुकाबले की पहली पारी में 13.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 10 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जिसमें 8 मैडन ओवर शामिल थे, वहीं उन्होंने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में दूसरी पारी में 17.2 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट चटकाए और इसके साथ ही 19 साल के प्रथम श्रेणी करियर का समापन किया।

प्रथम श्रेणी करियर

पीटर सिडल का प्रथम श्रेणी करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 231 प्रथम श्रेणी मैच में 2.81 की इकॉनमी से कुल 792 विकेट चटकाए हैं। वहीं, इतने ही मैचों में 16.08 की औसत और 50.67 की स्ट्राइक रेट से कुल 3990 रन बनाए हैं। प्रथम श्रेणी में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 103 रन है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम 1 शतक और छह अर्द्धशतक है।

अंतरराष्ट्रीय करियर

पीटर सिडल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट मैच में 2.92 की इकॉनमी से कुल 221 विकेट चटकाए। इसके अलावा इतने ही मैचों में उन्होंने 14.73 की औसत और 47.16 की स्ट्राइक रेट से कुल 1164 रन भी बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्होंने 20 वनडे भी खेला, जिसमें उन्होंने 17 विकेट हासिल किए, जबकि इतने ही मैच में बल्ले से उन्होंने कुल 30 रन का योगदान दिया।

जनहित के कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं: सीएम योगी

> विभागों को दिये दिशा-निर्देश

लखनऊ.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के कार्यों में लापरवाही को अस्वीकार बताया है। उन्होंने कहा है कि अच्छे लोगों की कहीं कोई कमी नहीं है, इन्हें प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थित सीएम कमांड सेंटर का निरीक्षण किया और प्रदेश भर में विभिन्न विभागों और परियोजनाओं के परफॉर्मेंस की भी जानकारी ली। उन्होंने विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सिर्फ तीन कैटेगरीज ए, बी और सी के तहत विभागों और योजनाओं की मॉनीटरिंग की जानी चाहिए। इसके तहत जनपद स्तर पर प्रतिदिन, अल्टरनेट दिनों में, साप्ताहिक और पाक्षिक समीक्षा की जानी चाहिए।

इसके लिए जनपद स्तर पर अधिकारी की तैनाती की जाए, जो देखे कि रिपोर्ट में जो डेटा दिया जा रहा है वो कितना सही है। इसके बाद महीने में एक बार मंत्री स्तर पर समीक्षा की जाए और सभी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत की जाएं। मुख्यमंत्री ने वरासत, लैंड यूज जैसी सुविधाओं के निर्धारण में समय सीमा का पालन करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फ्लैगशिप स्कीम्स की प्रगति को ट्रैक व मॉनिटर करने के लिए एक रैंकिंग प्रणाली विकसित की गई है। इसमें क्वालिटी और स्पीड पर ध्यान देना आवश्यक है। जिन विभागों और परियोजनाओं की क्वालिटी और स्पीड कमजोर है, उसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसमें भी हमारा प्रयास होना चाहिए कि ये सभी कैटेगरी परफॉर्मेंस बेस्ड हों तथा सबकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परफॉर्मेंस का जो डेटा विभाग देते हैं, उनकी रैंडम चेकिंग की जाए। मुख्य सचिव स्तर पर होने वाली समीक्षा बैठकों में टॉप-10 विभागों और योजनाओं पर चर्चा की जाए। जो विभाग और योजनाएं टॉप पर हैं, उनका प्रजेंटेशन सबके सामने रखा जाए और उन्हें बताया जाए कि किस तरह कार्य करना है और कहां कमी रह गई है।

उनकी रिपोर्ट और सक्सेस स्टोरीज को बाकी के साथ शेयर किया जाना चाहिए। ये भी देखा जाना चाहिए कि जो लोग पीछे हैं उसके पीछे कारण क्या है।

क्वालिटी और ट्रांसपेरेंसी पर विभागों को दिया अहम निर्देश

बेहतर परफॉर्मेंस करने वाले विभागों के विषय में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें नंबर नहीं देखना है, बल्कि हमारा फोकस क्वालिटी पर होना चाहिए। क्वालिटी और ट्रांसपेरेंसी दोनों आवश्यक है। उन्होंने एमएसएमई विभाग को निर्देश दिया कि ओडीओपी को आगे बढ़ाना होगा। देखना होगा कि क्या इसमें जनपदों के विशिष्ट फूड को भी जोड़ा जा सकता है।

मानहानि केस में शिवराज सिंह चौहान को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली.

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने उनकी व्यक्तिगत पेशी से छूट जारी रखी है. जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने मामले पर सुनवाई 26 मार्च तक टाल दी. इससे पहले मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ दायर मानहानि के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था. इसके बाद चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की. सुप्रीम कोर्ट ने शिवराज सिंह चौहान समेत तीनों भाजपा नेताओं के खिलाफ जारी वारंट पर रोक लगा दी थी.

दरअसल, कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने शिवराज सिंह चौहान, मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था. तन्खा का आरोप है कि राजनीतिक फायदे के लिए उनकी छवि को खराब किया गया. तन्खा का कहना है कि उन्हें

साल 2012 में मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव के दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण का विरोधी बताया गया.

वहीं, शिवराज सिंह चौहान की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने कहा कि तन्खा ने जिस पर आपत्ति की है, वो बयान सदन में दिया गया था और वो संविधान के अनुच्छेद 194(2) के तहत आता है. इसमें कहा गया है, किसी राज्य के विधानमंडल का कोई भी सदस्य विधानमंडल या उसकी किसी समिति में कही गई बात के संबंध में अदालत में किसी कार्यवाही का सामना करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा.

महेश जेठमलानी ने दलील दी थी कि ऐसा कभी नहीं सुना गया कि समन से जुड़े मामले में कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया, जिसमें पक्षकार वकील के जरिए से पेश हो सकते थे. उन्होंने जमानती वारंट की तामील पर रोक लगाने का अनुरोध किया था.

रजिस्ट्रेशन न कराने वाले बल्क वेस्ट जनरेटर पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली.

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) डिफॉल्टर बल्क वेस्ट जनरेटर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा. कार्रवाई से पहले करीब 1900 बल्क वेस्ट जनरेटर को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा. दिल्ली नगर निगम ने सभी हितधारकों से जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने में सहयोग करने का आग्रह भी किया है. नगर निगम उन बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) के खिलाफ सख्त रुख अपना रहा है, जो एमसीडी-311 ऐप पर खुद को पंजीकृत करने में विफल रहे हैं.

दिल्ली नगर निगम की ओर से बार-बार निर्देश दिए जाने और पंजीकरण के लिए समय सीमा प्रदान करने संबंधी पब्लिक नोटिस

के बावजूद, अब तक केवल 1075 बीडब्ल्यूजी ने ही पंजीकरण कराया है. नगर निगम द्वारा सभी क्षेत्रीय उपायुक्तों को बीडब्ल्यूजी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. यह प्रक्रिया गैर-अनुपालन करने वाले बीडब्ल्यूजी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ शुरू होगी, जिसमें वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, होटल, स्कूल और पूजा स्थल शामिल हैं.

इस कदम का उद्देश्य जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के नियम 4 का पालन सुनिश्चित करना है. दिल्ली नगर निगम पंजीकरण प्रक्रिया का बारीकी से निगरानी करेगा और चूक करने वाले बीडब्ल्यूजी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा.

बीडब्ल्यूजी अभी भी एमसीडी 311-ऐप पर खुद को पंजीकृत कर सकते हैं और एसडब्ल्यूएम नियम-2016 का पालन कर सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए वो आधिकारिक दिल्ली नगर निगम वेबसाइट पर जा सकते हैं या अपने संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं. दिल्ली नगर निगम सभी हितधारकों से जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने और दिल्ली में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने का आग्रह करता है.

80 साल के इस नेता को चाहिए 350 सुरक्षा गार्ड

कोलंबो.

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका मिला है. कोर्ट ने महिंदा राजपक्षे की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपनी सुरक्षा बहाली की मांग की थी. राजपक्षे ने सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा में कटौती किए जाने के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की थी.80 वर्षीय राजपक्षे की यह कानूनी लड़ाई ऐसे समय में सामने आई जब सरकार उन्हें उनके आधिकारिक आवास से भी बेदखल करने की प्रक्रिया में लगी हुई है. राजपक्षे ने इस साल जनवरी में एक मौलिक अधिकार याचिका दाखिल कर अदालत से हस्तक्षेप की मांग की थी. उन्होंने कहा कि सरकार ने दिसंबर

2024 में उनकी सुरक्षा में भारी कटौती कर दी, जिससे उनके जीवन को खतरा बढ़ गया है.

महिंदा राजपक्षे ने अपनी याचिका में कहा था कि पहले उनकी सुरक्षा में 350 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात थे, लेकिन अब यह संख्या घटाकर मात्र 60 कर दी गई है. राजपक्षे का दावा था कि उनकी जान को गंभीर खतरा है क्योंकि उन्होंने श्रीलंका में तीन दशक से चल रहे गृहयुद्ध को समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई थी. इस संघर्ष में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम संगठन श्रीलंका से अलग तमिल राज्य की मांग कर रहा था.

महिंदा राजपक्षे ने अपनी याचिका में प्रधानमंत्री हरिणी अमरासूर्या, कैबिनेट और रक्षा मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया था. सरकार का कहना है कि वह सरकारी खर्चों को कम करने के लिए पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाली सुविधाओं में कटौती कर रही है. हालांकि, विपक्ष ने सरकार की इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है. उनका कहना है कि पूर्व राष्ट्रपतियों को कुछ विशेषाधिकार मिलते हैं और उन्हें इस तरह अचानक सुरक्षा और आवास से वंचित करना गलत है.

महिंदा राजपक्षे 2005 से 2015 तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे. उनके कार्यकाल के दौरान 2009 में श्रीलंकाई सेना ने तमिल टाइगर्स के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन की हत्या कर विद्रोह को कुचल दिया था. पूर्व राष्ट्रपति अभी भी अपने सरकारी आवास में रह रहे हैं, जबकि सरकार उन्हें वहां से निकालने की प्रक्रिया में लगी हुई है. सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले को सुनवाई के लायक नहीं माना और राजपक्षे की याचिका को खारिज कर दिया.

एक कमरे में मां तो दुसरे कमरे में लटका मिला बेटा

जबलपुर.

मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां मां और बेटे के शव घर के अंदर अलग-अलग कमरों में फांसी के फंदे से लटके मिले. इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया. इस घटना की जानकारी परिजनों ने स्थानीय पुलिस को दी. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है.

जबलपुर के घमापुर थाना क्षेत्र के सिद्धबाबा इलाके में 60 साल महिला माया रैकवार अपने छोटे बेटे अजय रैकवार(36) के साथ किराए के मकान में रहती थी. अजय मजदूरी करता था, जबकि माया घर संभालती थी. माया का बड़ा बेटा विनोद रैकवार अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अधारताल में किराए के मकान में रहता है. मंगलवार सुबह विनोद ने छोटे भाई अजय को फोन किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया.बार-बार फोन करने के बावजूद कोई जवाब न मिलने पर वह अपने काम पर चला गया. दोपहर करीब 12 बजे पड़ोसियों ने विनोद को सूचना दी कि सुबह से ही माया और अजय घर से बाहर नहीं निकले हैं और घर का दरवाजा अंदर से बंद है. घटना की सूचना मिलते ही घमापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई. अंदर जाकर पुलिस ने देखा कि मां और बेटा अलग-अलग कमरों में फांसी के फंदे से झूल रहे थे.

पुलिस ने दोनों शवों को नीचे उतारा कर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया. इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और सनसनी फैल गई है. पड़ोसियों और रिश्तेदारों को इस घटना पर विश्वास नहीं हो रहा है. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का खुलासा हो सके. घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ, जिससे आत्महत्या के कारणों को लेकर संदेह बना हुआ है.

ट्रंप को मिलेगा शांति का नोबेल?

अमेरिका.

तीन साल से जारी रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने की सभी कोशिशें नाकाम हो रही थी और फिर डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान युद्ध रुकवाने का वादा किया. राष्ट्रपति पद संभालने के पहले दिन से ही ट्रंप अपने चुनावी वादों को पूरा करने में लगे हैं और मंगलवार को पुतिन के साथ फोन कॉल करने बाद यूक्रेन युद्ध में अस्थायी युद्ध विराम का ऐलान भी कर दिया.

रूस यूक्रेन युद्ध में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप की प्रशंसा विश्व भर में हो रही है. हालांकि कई लोग अमेरिका का यूक्रेन को धोखा देने और रूस के आगे झुकने का आरोप लगा रहे हैं. यूक्रेन और रूस में युद्ध की वजह से 20 लाख से ज्यादा लोग मारे गए हैं और पूरा यूरोप प्रभावित है. ट्रंप के इस कदम से यूरोप में शांति की उम्मीद है और अगर ये युद्ध विराम टिक जाता है, तो ट्रंप को इसके लिए नोबेल पुरस्कार भी मिल सकता है.

ऐसा पहली बार नहीं होगा जब अमेरिका के किसी राष्ट्रपति को शांति के नोबेल पुरस्कार मिला हो, इससे पहले भी अमेरिका के कई राष्ट्रपतियों को ये अवार्ड मिल चुका है. 1906 में जापान-रूस युद्ध रुकवाने पर रूजवेल्ट को शांति का नोबेल मिला था. हाल ही में 2009 में बराक ओबामा को भी ये पुरस्कार मिला था. ओबामा को ये पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और लोगों के बीच सहयोग को मजबूत करने के उनके असाधारण प्रयासों के लिए मिला था.

नोबेल पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने मानव जाति के फायदे के लिए खास योगदान दिया हो. यह पुरस्कार 6 क्षेत्रों में दिया जाता है. जिसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, साहित्य, अर्थशास्त्र और शांति के लिए दिया जाता है.

बलूच में विश्वविद्यालयों ने छात्रों की सुरक्षा को लेकर उठाया कदम

इस्लामाबाद.

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के तीन विश्वविद्यालयों ने सुरक्षा कारणों से अनिश्चित काल के लिए परिसर में कक्षाएं निलंबित कर दी हैं और छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से कक्षाओं में भाग लेने के लिए कहा है। मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है। प्रांत में आतंकी हमलों में वृद्धि के बीच विश्वविद्यालयों ने यह कदम उठाया है। बलूचिस्तान विश्वविद्यालय, सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय और तुर्बत विश्वविद्यालय ने डीन और शैक्षणिक विभागों के प्रमुखों के साथ परामर्श के बाद यह निर्णय लिया है।

पिछले सप्ताह आतंकवादियों ने सिबी के पास जाफर एक्सप्रेस को कब्जे में लेकर यात्रियों को बंधक बना लिया था। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 26 बंधकों की जान चली गई थी। तब से बलूचिस्तान में कई हमले हो चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि हाल ही में हुए हमलों और सुरक्षा खतरों के बाद तीनों विश्वविद्यालयों ने कक्षाएं ऑनलाइन कर दी हैं।

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, पाकिस्तानी सैनिक अपनी सुरक्षा को लेकर परेशान हैं और सेना से भाग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में 2500 सैनिकों ने सेना को अलविदा कह दिया है। इसके पीछे की वजह सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति और सैनिकों का मारा जाना है।

सुनीता विलियम्स को भारत रत्न दिया जाए

> ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से की मांग

ढाका.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को भारत रत्न देने की मांग की. बुधवार को विधानसभा में सुनीता विलियम्स को दिए बधाई संदेश में ममता बनर्जी ने कहा कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर का इतने दिनों के बाद अंततः सुरक्षित रूप से धरती पर स्वागत है.उन्होंने कहा कि हमारी भारत की बेटी हमारे पास वापस आ गई है और हम बहुत खुश और उत्साहित हैं. हम बुच विल्मोर के लिए भी बहुत खुश हैं. उनके साहस की जय हो, उनकी वापसी की जय हो, मानव गौरव की जय हो. बता दें कि सुनीता

ने पिछले वर्ष 5 जून को अंतरिक्ष की यात्रा शुरू की थी. उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर आठ दिन बिताने थे और पृथ्वी पर लौटना था. सुनीता केवल आठ दिनों के लिए अंतरिक्ष में गयी थीं, लेकिन तब भी किसी ने नहीं सोचा था कि आठ दिन की यात्रा नौ महीने में खत्म हो पाएगी.

अंतरिक्ष यान में खराबी के कारण सुनीता की पृथ्वी पर वापसी की तिथि बार-बार स्थगित होती रही. 286 दिन बिताने के बाद आखिरकार सुनीता बुधवार को सुबह 3:27 बजे (भारतीय समयानुसार) पृथ्वी पर लौट आईं.

मुख्यमंत्री ने सुनीता की वापसी के तुरंत बाद अपने एक्स हैंडल पर बधाई संदेश भेजा. बाद में विधानसभा में ममता ने कहा कि मैं विधानसभा की ओर से सुनीता विलियम्स के प्रति आभार व्यक्त करती हूं. उन्होंने बहुत कष्ट सहा है. बचाव दल को भी धन्यवाद एवं आभार. कल्पना चावला भी गईं थीं, लेकिन वापस नहीं आ सकी.

शुभेंदु अधिकारी ने जताई नाराजगी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने विधानसभा भवन में सुनीता विलियम्स को सुनीता चावला कहा. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता को सुनीता विलियम्स का गलत नाम सुनीता चावला रखने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह बंगालियों के लिए शर्म की बात है कि राज्य प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त व्यक्ति का गलत नाम कहा.

केंद्र और किसानों के बीच अगले दौर की वार्ता 4 मई को

चंडीगढ़.

बुधवार को किसान संगठनों और केंद्रीय मंत्रियों के बीच लंबी बैठक हुई. यह मीटिंग करीब 4 घंटे चली. मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बैठक बेहद ही सौहार्दपूर्ण तरीके से हुई है. वहीं, बैठक में शामिल पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार और किसानों के बीच अब 4 मई को अगले दौर की बैठक होगी. बैठक में अनशन पर बैठे जगजीत सिंह डल्लेवाल भी एंबुलेंस से पहुंचे.बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शामिल हुए. यह बैठक सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी लोक प्रशासन संस्थान में हुई. बातचीत में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा का 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

ने हिस्सा लिया. इस दौरान किसानों की फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित कई मांगों पर चर्चा की गई.

बैठक में मौजूद पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को कहा है कि एमएसपी लागू करने की बातचीत को आगे बढ़ाने से पहले वो इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स से राय लेंगे. जिसमें कंज्यूमर, व्यापारी, आढ़ती और अन्य वर्गों के लोग हैं उनकी भी राय लेंगे और उसके बाद 4 मई को चंडीगढ़ में ही अगले दौर की बातचीत की जाएगी.

वहीं, किसानों ने खन्नौरी और शंभू बॉर्डर पर पुलिस के जमावड़े को लेकर भी सवाल किया. इसपर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अब तक किसानों पर किसी भी तरह के पुलिस एक्शन की कोई तैयारी नहीं है. इससे पहले 6 दौर की बातचीत किसानों के साथ हो चुकी है लेकिन अभी तक कोई सहमति नहीं बन सकी है. वहीं, सातवें दौर की बैठ भी बेनतीजा रही. किसानों का कहना है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी के बिना हम नहीं मानेंगे.

किसानों और केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के बीच पिछली बैठक 22 फरवरी को यहां हुई थी. बैठक में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल शामिल हुए थे. पिछली बैठक में केंद्रीय टीम ने विशेषज्ञों के साथ चर्चा के लिए फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी को लेकर किसानों से उनके दावों के समर्थन में डेटा मांगा था.